• जयपुर, बुधवार 2 सितंबर 26 • वर्ष 15 • अंक 303 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
विज्ञापन के लिए : 93145 05000
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

पीएम मोदी का देशवासियों को बड़ा संदेश

बोले- विदेश यात्रा और गैर-जरूरी सोना खरीदने से बचें

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की 7.8 प्रतिशत की शानदार आर्थिक विकास दर हासिल करने पर देशवासियों को बधाई दी है। इंस्टाग्राम पर एक विशेष वीडियो संदेश साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को 140 करोड़ नागरिकों के संकल्प और पुरुषार्थ की जीत बताया। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक संकटों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का जिक्र करते हुए देशवासियों से स्वदेशी अपनाने और विदेशी निर्भरता घटाने की पुरजोर अपील की।

वैश्विक संकट के बीच भारत की तेज छलांग, विपक्ष पर तंज

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और कोविड काल के बाद की अनिश्चितताओं से जूझ रही है, इसके बावजूद भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। विपक्ष पर सीधा निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश के भीतर ही कुछ लोग घोर निराशा के गर्त में डूबे हैं और लगातार झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने में लगे हैं। इन सभी बाधाओं को पार करते हुए भारत ने 7.8त्न की विकास दर का आंकड़ा छूकर अपनी ताकत साबित की है।

'डेस्टिनेशन वेडिंग से बचें, गैर-जरूरी हो तो सोना न खरीदें'

अर्थव्यवस्था को और अधिक रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचें और शादियां विदेशों में (डेस्टिनेशन वेडिंग) करने की बजाय देश में ही करें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अगर बहुत जरूरी न हो तो सोना खरीदने से भी परहेज करें, ताकि देश की पूंजी देश के विकास में काम आ सके।

2047 तक विकसित भारत सौंपने का आह्वान

» पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि नीति सही और नीयत साफ हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम जितना अधिक स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर बल देंगे, आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर 2047 तक अपनी युवा पीढ़ी को उतना ही समृद्ध और 'विकसित भारत' सौंप सकेंगे। उन्होंने देशवासियों से अपने पुरुषार्थ और संकल्प शक्ति के दम पर भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया।

न्यूज अपडेट

इंडिगो फ्लाइट का हवा में इंजन हुआ फेल, 14 हजार फीट पर मचा हड़कंप; पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

पणजी/एजेंसी। गोवा से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट में मंगलवार सुबह हवा में अचानक इंजन फेल होने से हड×कंप मच गया। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विमान के एक इंजन में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने गोवा एयरपोर्ट पर तुरंत 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी। पायलटों की सूझबूझ से विमान को सुरक्षित वापस गोवा एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई।

जानकारी के अनुसार, इंडिगो की उड़ान 6ई 2102 ने सुबह 9.16 बजे दिल्ली के लिए गोवा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। एविएशन ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म के डेटा के मुताबिक, जब विमान दक्षिण महाराष्ट्र के तटीय इलाके के ऊपर लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई पर था, तभी उसके एक इंजन में खराबी आ गई। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए एटीसी को आपातकालीन संदेश भेजा। एटीसी ने सुबह करीब 9:30 बजे फुल इमरजेंसी घोषित करते हुए विमान को प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग की अनुमति दी।

अलवर में जिंदगी की जीत, 400 फीट गहरे बोरवेल में फंसा 9 वर्षीय भानु 5 घंटे बाद सकुशल रेस्क्यू

अलवर/एजेंसी। राजस्थान के अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के बुटोली गांव में एक बड़ा हादसा टल गया। पतंग लूटने के दौरान 9 वर्षीय भानु 400 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया, लेकिन करीब पांच घंटे तक चले कठिन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, बुटोली गांव निवासी भानु पुत्र शीशराम पतंग लूटने के लिए खेत की तरफ दौड़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर एक पुराने बोरवेल के ऊपर रखे पत्थर पर पड़ गया। पत्थर खिसकते ही भानु सीधे बोरवेल में जा गिरा। बताया जा रहा है कि बोरवेल करीब 400 फीट गहरा था और बच्चा लगभग 40 से 50 फीट की गहराई पर जाकर फंस गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी।

एससीओ समिट में पीएम मोदी ने कहा

आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करना जरूरी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 26वें एससीओ समिट में आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करने की बात कही। स्पष्ट किया कि कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देने वाले तत्वों पर रोक लगानी होगी। इस सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी शामिल हुए हैं। मंगलवार को सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पिछले पच्चीस वर्षों में एससीओ ने यूरेशिया के विशाल भूभाग में संवाद और सहयोग की एक मजबूत परंपरा विकसित की है। हमने मिलकर अपने लोगों की भलाई के साथ-साथ मानवता के विकास में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। इन पच्चीस वर्षों में हमने सहयोग की मजबूत नींव तैयार की है। अब आने वाले पच्चीस वर्षों में हमारा लक्ष्य इस सहयोग को स्पष्ट परिणामों में बदलने का होना चाहिए। प्रधानमंत्री के मुताबिक

एससीओ को लेकर भारत की सोच जाहिर की। उन्होंने कहा, आज जब विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता से गुजर रहा है, हमें अपने साझा भूगोल को साझा अवसरों में बदलना है और हमारे प्रयासों से हमारे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना हैं।पिछली बैठक में मैंने एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभों का उल्लेख किया थाः एस से सिक्योरिटी (सुरक्षा), सी से कनेक्टिविटी और ओ से ऑप्चुंनिटी (अवसर)। अब समय है कि इन तीनों स्तंभों को विजन से आगे बढ़ाकर ठोस आउटकम (उपलब्धि) तक ले जाया जाए। और इसकी पहली आवश्यकता है—शांति और सुरक्षा। आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसके विरुद्ध लड़ाई में हम एक्शन-रिएक्शन की सोच तक सीमित नहीं रह सकते।

फिर पीएम मोदी ने आतंकवाद को लेकर भारत की मंशा स्पष्ट की। उन्होंने कहा, हमें आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगाहों के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर द्विपक्षीय मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

उन्होंने किसी भी देश का नाम लिए बगैर अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं, आतंकियों को पनाह और समर्थन देते हैं, उन्हें कड़ा संदेश देना होगा कि आतंकवाद किसी के लिए स्ट्रेटेजिक एसेट नहीं हो सकता।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री विस्फोट :

11 मौतों के बाद सात पुलिसकर्मी निलंबित, मुख्य आरोपी नौशाद मुठभेड़ में गिरफ्तार

कौशांबी/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के दौरान हुए भीषण विस्फोट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हादसे में 11 लोगों की मौत और पांच के गंभीर रूप से घायल होने के बाद जहां पिपरी थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक समेत सात पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है, वहीं पुलिस ने मंगलवार तड×के मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी और फैक्ट्री संचालक नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक, 31 अगस्त को सुबह करीब 11:30 बजे पिपरी थाना क्षेत्र के चिल्ला शाहबाजी गांव स्थित अवैध पटाखा निर्माण एवं भंडारण कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ था। विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। घटना के संबंध में पिपरी थाने में छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा :

खड़े ट्रक में घुसी श्रद्धालुओं से भरी पिकअप, 6 की मौत, 14 घायल

पलवल/एजेंसी। हरियाणा के पलवल जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड×के भीषण सड×क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी सड×क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। सभी घायलों को पलवल के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद राहगीरों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के पहुंचने के बाद घायलों को क्षतिग्रस्त पिकअप से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के किशनपुर मुरैया, मकोया, चांदा और आसपास के गांवों के करीब 21 लोग रक्षाबंधन के अवसर पर धार्मिक यात्रा पर निकले थे। वे शुक्रवार को टाटा पिकअप से विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए रवाना हुए थे।

भारत वैश्विक बदलावों के बीच भी अपनी ग्रोथ बनाए रखने में सक्षम : वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अपनी ग्रोथ की रफ्तार को कम किए बिना ग्लोबल इकॉनमी में हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढाल सकता है। उन्होंने देश की आयातित ऊर्जा और फर्टिलाइजर पर निर्भरता को भी स्वीकार किया। जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक के दौरान आईएएनएस को दिए

एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में वित्त मंत्री ने भारत को चुनौतियों से निपटने में सक्षम अर्थव्यवस्था बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। भारत कुछ घरेलू उत्पादन क्षमता होने के बावजूद कई उर्वरकों और उनके कच्चे माल का भी आयात करता है। वित्त मंत्री ने कहा, हम कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के बड़े आयातकों में से एक हैं। हम विभिन्न प्रकार के उर्वरकों (यूरिया, अमोनिया, डीएपी) के बड़े आयातक हैं। देश के भीतर उत्पादन क्षमता है, लेकिन उसके बावजूद हम आयातक हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत के आर्थिक प्रदर्शन ने यह दिखाया है कि वह विदेशों में होने वाले घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देने और अपनी ग्रोथ की गति को बचाए रखने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ये सभी एक जीवंत अर्थव्यवस्था के बहुत स्पष्ट संकेत हैं, एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो वैश्विक स्तर पर बदलावों को स्वीकार करती है और खुद को इस तरह से ढालती है कि हमारी ग्रोथ प्रभावित न हो।

समुद्र का जलस्तर बढऩे से कोलकाता और मुंबई के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावित : यूएन

नई दिल्ली/एजेंसी ।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढऩे से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बु-री तरह प्रभावित हो सकते हैं। जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढऩे के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की

55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का

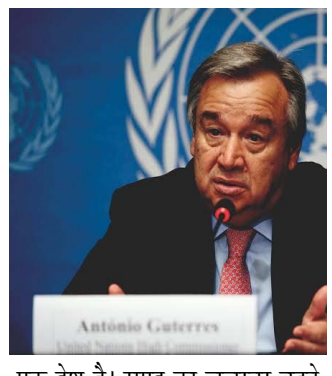

एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढऩे से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, कृपया समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए।

सुभाषितम्

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है। -अमेरिकी कहावत

जंगलों पर जहरीला वार

इन दिनों हिमाचल प्रदेश के वनों में ग्लाइफोसेट और पैराकुएट जैसे घातक पौधनाशकों के छिड़काव के बाद मटर की फसल बिजाई के मामले सामने आए हैं। मंडी की थाची रेंज में ऐसे मामले सामने आने के बाद वन विभाग के कर्मियों द्वारा मटर की फसल बर्बाद करने की कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष जब थुनाग, जंजैहली क्षेत्र में बरसात में भारी तबाही हुई थी उस समय भी ऐसी बातें निकली थीं कि उस क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में पौधनाशक रसायनों का छिड़काव करके मटर लगाया गया था, जिससे भूस्खलन से नुकसान में भारी बढ़ोतरी हुई। अभी जो मामला सामने आया है उससे एक सवाल तो यह भी पैदा होता है कि क्या यह एकाकी मामला है या हिमाचल में अन्य जगह पर भी इस तरह का वन विनाश हो रहा है। सरकार को चाहिए कि तत्काल पूरे प्रदेश में जहां जहां बेमौसमी मटर और अन्य बेमौसमी सब्जियों का कारोबार हो रहा है, वहां सर्वे करवा कर देखा जाए कि खेतों के बाहर जंगल में तो सब्जियां नहीं उगाई जा रहीं। हिमाचल प्रदेश में वन भूमि पर कब्जा करके खेती करने या छोटा मोटा आश्रय या गोशाला बना कर जम जाने का पुराना इतिहास रहा है। खासकर जब से व्यवसायिक खेती की बात आगे बढ़ी है, तबसे इस प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। 80 के दशक में चिपको आंदोलन के सिलसिले में मैंने आदरणीय सुंदरलाल बहुगुणा जी के साथ पूरे हिमाचल का भ्रमण किया था। उसके बाद भी हम लोग दूरदराज इलाकों में हर वर्ष पैदल यात्राएं करते थे। उस समय आलू और सेब के लिए वन भूमि पर कब्जे की प्रक्रिया चल रही थी। पहले ढलानों को धीरे-धीरे नेपाली मजदूर रख कर साफ करवाया जाता और उसमें आलू लगाने के साथ-साथ सेब के पौधे लगा लिए जाते। वह वनों में काटो और कमाओ के नारे का युग था। प्राइवेट सेल के माध्यम से किसानों की जमीन के नाम पर निजी ठेकेदार जंगल से भारी मात्रा में इमारती लकड़ी काट कर उसमें मिला कर स्मगल कर लेते थे। नेरवा में इस तरह के धंधे में लिप्त लोगों के 72 हजार स्लीपर पकड़े गए थे। छाजपुर के जंगल में कई बगीचे पहले आलू के खेत बने फिर सेब के बगीचे बन गए। एक पदयात्रा में 1986 के आसपास जुब्बल और ननखड़ी के बीच में चूंजर में पुराने तालाब और उससे लगती ढलानों में आलू की खेती हो रखी थी। किंतु तब तक यह काम छोटे पैमाने पर था। हाथ से खुदाई करते समय लगता था। किंतु इन पौधनाशक रसायनों ने तो काम बहुत ही आसन कर दिया है। छिड़काव करो और ढलान में सीधे मटर या अन्य सब्जियां लगा दो। ढलान में जो स्थायी खेत बने हैं, उनको सीढ़ीदार खेत बना कर खेती होती है, जिससे भूमि कटाव नहीं होता है। किंतु यह तो फटाफट मामला है और मेहनत भी कम। बेमौसमी सब्जी के दाम भी ऊंचे मिल जाते हैं, जिससे यह लाभकारी गतिविधि बन गई है। इसलिए बहुत ही सावधानी और सतत निगरानी की जरूरत आन पड़ी है। हैरानी की बात है कि वन विभाग के कानों तक यह बात इतनी देर से पहुंच रही है। इस तरह के कामों में कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण की भी बातें सामने आती हैं। लोग और विभाग भी कई बार जानते हुए भी चुप रहते हैं। किंतु अब तो यह मामला वनों के लिए एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। इसलिए सरकार को व्यापक अभियान चला कर पूरे प्रदेश में जहां-जहां बेमौसमी सब्जी का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है, वहां देखना चाहिए कि जंगल तो इसकी चपेट में न आ जाएं। सरकार मिशन 32 प्रतिशत चला कर प्रदेश के 32 प्रतिशत भू-भाग पर वनीकरण की योजना बना रही है, किंतु ऐसी हालत में सफलता संदिग्ध ही रहेगी। इस रासायनिक छिड़काव से सबसे ज्यादा हानि 6 से 8 हजार फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुर्लभ जैव विविधता को हो रही है। उपरोक्त योजना में लक्ष्य तो संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र को सुधारने का रखा गया है, जो वनों को देखने की सही दृष्टि है। किंतु इन रासायनिक हमलों से यदि वन क्षेत्र को नहीं बचाया गया तो यह लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

ग्लाइफोसेट जैसे रसायन सब तरह से घातक हैं। इनके संपर्क में आने से कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। जैव विविधता के नाश से आजीविका के भी कई संसाधन नष्ट हो जाते हैं। ये रसायन वनक्षेत्र की मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं को नष्ट करके कार्बन प्रचूषण क्षमता को भारी नुकसान पंहुचाते हैं। जगलों से बह कर ये रसायन आसपास के जलस्त्रोतों को जहरीला बना कर जल जीवों के लिए भी खतरा बन जाते हैं। इन रसायनों से प्रभावित मिट्टी में जो फसल पैदा होती है उसमें भी इनके जहरीले तत्व आने की पूरी संभावना रहती है, जिस पर भी शोध किया जाना चाहिए। केरल सरकार इन रसायनों को पहले ही प्रतिबंधित कर चुकी है। केंद्र सरकार ने भी इस आशय के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन रसायनों की बिक्री पर ही प्रतिबंध लग जाना चाहिए। राज्य में कृषि बीज और कीटनाशक दवाइयां बिक्री करने वाले ही इन दवाओं को उपलब्ध करवाते हैं और इन रसायनों को बनाने वाली कंपनियां नई नई लुभावनी जानकारियां विज्ञापनों के माध्यम से फैलाती रहती हैं। आजकल बड़े पेड़ों को सुखाने की दवाइयों के सोशल मीडिया पर विज्ञापनों की बाढ़ आई हुई है। ऐसे विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगना चाहिए। हिमालय नीति अभियान कई दिनों से इन पौधनाशक रसायनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार से भी अनुरोध कर रहा है। वनों के विनाश में इनके योगदान को देखते हुए हम हिमालय निति अभियान की ओर से पुनः सरकार से मांग करते हैं कि इस दिशा में शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करके इस खतरे से निपटने का काम करे।

-कुलभूषण उपमन्यु

युवा शक्ति के हाथों फिर विश्वगुरु बनेगा भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में अपनी पहचान बना चुका है। विश्व के अनेक विकसित देशों में जन्म दर लगातार घट रही है, औसत आयु बढ़ रही है और कार्यशील जनसंख्या का अनुपात कम हो रहा है। ऐसे समय में भारत के पास विशाल युवा शक्ति मौजूद है। यही युवा शक्ति आने वाले दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीक, उद्योग, विज्ञान और वैश्विक प्रभाव की दिशा तय करेगी।

भारत की लगभग 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में है। 26 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष के बीच है। 50 प्रतिशत से अधिक भारतीयों की आयु 25 वर्ष से कम है, जबकि 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। भारतीय नागरिकों की औसत आयु लगभग 28.4 वर्ष है। यह स्थिति भारत को एक बड़े जनसांख्यिकी लाभांश का अवसर देती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार जनसांख्यिकी लाभांश उस आर्थिक क्षमता को कहा जाता है, जो आबादी की आयु संरचना में बदलाव से उत्पन्न होती है। जब कार्यशील आयु वर्ग की आबादी गैर-कार्यशील आयु वर्ग से अधिक हो जाती है, तब देश के सामने आर्थिक प्रगति का बड़ा अवसर पैदा होता है। भारत इस अवसर की खिड़की में प्रवेश कर चुका है और आगामी दशकों तक इसका लाभ उठा सकता है।

दुनिया की जरूरत : अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में कार्यशील आयु वर्ग के नागरिकों की संख्या 104 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसी अवधि में भारत का निर्भरता अनुपात अपने इतिहास के न्यूनतम स्तर 31.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। आगामी दशक में वैश्विक कार्यबल में होने वाली वृद्धि में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। यूरोप, जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य विकसित देशों के सामने वृद्ध होती आबादी तथा कुशल कामगारों की कमी बड़ी चुनौती बन रही है। स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक, निर्माण और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

भारतीय मूल के लगभग चार करोड़ लोग आज दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे हैं। वे अपनी कर्मभूमि के देशों में योगदान देते हुए भारत की संस्कृति, कार्यशीलता और उद्यमशीलता का परिचय भी देते हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों की औसत वार्षिक आय स्थानीय औसत आय की तुलना में काफी अधिक बताई जाती है। सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोपीय देशों तक भारतीय प्रतिभा की उपस्थिति आज स्पष्ट दिखाई देती है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष भारतीय मूल के नागरिकों ने लगभग 14,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर भारत भेजे। यह दुनिया में किसी देश को प्राप्त होने वाली सबसे बड़ी रेमिटेंस राशि के रूप में सामने आती है।

कौशल बनेगा वैश्विक रोजगार का पासपोर्ट : देश से प्रतिवर्ष लाखों लोग रोजगार और व्यवसाय के अवसरों की तलाश में विदेशों का रुख कर रहे हैं। जापान, इजराइल, वियतनाम, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय कुशल कामगारों की मांग बढ़ रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन देशों में करोड़ों कुशल कामगारों की कमी उत्पन्न हो सकती है। भारत सरकार ने इस वैश्विक अवसर को ध्यान में रखते हुए युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, उड़ान, संकल्प, प्रशिक्षु अधिनियम के अंतर्गत प्रशिक्षण, महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, कौशल ऋण योजना और भारतीय कौशल संस्थान जैसी अनेक पहलें शुरू की हैं।

भारत हर वर्ष 25 लाख से अधिक कुशल कामगार तैयार कर रहा है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा ऐसे हैं जो शिक्षा, प्रशिक्षण या रोजगार से जुड़े हुए नहीं हैं। एक हालिया प्रतिवेदन के अनुसार लगभग आठ करोड़ युवा आज अध्ययन, कौशल विकास या रोजगार की मुख्यधारा से बाहर हैं। यह स्थिति भारत के सामने मौजूद अवसर को बड़ी चुनौती में भी बदल सकती है। युवा शक्ति की संख्या अपने आप आर्थिक शक्ति में परिवर्तित नहीं होती। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता, स्वास्थ्य, अनुशासन, उद्यमशीलता और रोजगार के अवसरों का मजबूत तंत्र आवश्यक है।

विदेशों से समझौते और नए रास्ते : भारत विभिन्न देशों के साथ प्रवास एवं गतिशीलता साझेदारी समझौतों के माध्यम से युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार के रास्ते सुगम बना रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ हुए समझौतों का उद्देश्य भारतीय कामगारों और पेशेवरों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

भारत विभिन्न देशों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौतों पर भी काम कर रहा है। इससे भारतीय युवाओं की शिक्षा और कौशल को विदेशी संस्थानों में मान्यता मिलने का रास्ता आसान होगा। विदेश जाकर काम करने वाले भारतीयों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी समझौते महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस पूरी प्रक्रिया का व्यापक उद्देश्य यही है कि भारतीय युवा वैश्विक श्रम बाजार में सम्मानजनक अवसर प्राप्त करें और भारत अपनी विशाल मानव संसाधन शक्ति को आर्थिक सामर्थ्य में बदल सके।

विदेश जाएं, सीखें और भारत लौटकर रोजगार पैदा करें : भारत की युवा शक्ति का महत्व विदेशों में रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। विदेशों में काम करने वाले भारतीय नई तकनीक, प्रबंधन पद्धति, उत्पादन तकनीक और वैश्विक बाजार की समझ हासिल कर भारत लौट सकते हैं। वे अपने अनुभव और पूंजी के आधार पर देश में नए व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। यही प्रक्रिया भारत में रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है। इससे उत्पादन बढ़ेगा, निर्यात को गति मिलेगी और भारतीय उद्योग वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेंगे। भारत के लिए आज युवा वर्ग एक अमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति है। इसकी शक्ति को सही दिशा देना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

युवा ऊर्जा को अराजकता नहीं, राष्ट्र निर्माण चाहिए : हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी युवाओं से जुड़े आंदोलन ने युवा शक्ति की दिशा पर भी चर्चा को जन्म दिया। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में युवाओं को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। साथ ही सार्वजनिक विमर्श की भाषा, सामाजिक मयार्दा और भारतीय सांस्कृतिक संस्कारों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। भारत जिस समय वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, उस समय युवा ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। असंतोष को ज्ञान, संवाद, नवाचार, उद्यम और सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में बदलना होगा। देश के युवाओं के सामने आज रोजगार की तलाश के साथ राष्ट्र निर्माण का भी बड़ा अवसर है।

विश्वगुरु बनने की राह युवा शक्ति से होकर जाएगी : भारत ने लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद आर्थिक और सामाजिक पुनर्निर्माण की यात्रा तय की है। कभी भारत विश्व व्यापार में महत्वपूर्ण स्थान रखता था। वस्त्र, मसाले, इस्पात और अनेक उत्पादों के कारण भारत को समृद्ध देश के रूप में देखा जाता था। औपनिवेशिक काल में भारत की आर्थिक शक्ति को भारी क्षति पहुंची। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक आर्थिक विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रही।

1991 के आर्थिक सुधारों और उसके बाद विभिन्न चरणों में हुए आर्थिक बदलावों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी। वर्ष 2014 के बाद आर्थिक सुधारों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और उद्यमिता पर बढ़े जोर ने भारत के विकास को नई दिशा दी है। आज भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। इस यात्रा को स्थायी और व्यापक बनाने में युवा शक्ति निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

भारत की अगली बड़ी छलांग जनसंख्या की संख्या से नहीं, उस जनसंख्या की क्षमता से तय होगी। यदि युवा शिक्षा से जुड़े, कौशल हासिल करें, तकनीक को अपनाएं, उद्यमिता को आगे बढ़ाएं, भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जुड़े रहें और वैश्विक अवसरों का उपयोग राष्ट्रहित में करें, तो भारत की युवा शक्ति दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सामाजिक ताकतों में परिवर्तित हो सकती है। भारत के युवाओं के सामने इतिहास स्वयं को दोहराने का अवसर लेकर खड़ा है। यह पीढ़ी तय कर सकती है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा भागीदार बनेगा या वैश्विक नेतृत्व की भूमिका भी निभाएगा। विश्वगुरु भारत की कल्पना को साकार करने की शक्ति आज देश के युवा हाथों में है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बच्चों में आई फोन का बढ़ता एडिक्शन

प्रो. मनीषा शर्मा

आज के डिजिटल क्रांति के युग में मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई, मनोरंजन और लोगो से संपर्क के लिए इसका प्रचलन इस कदर बढ़ गया है कि इसके बिना जीने की कल्पना मात्र से युवा सिहर जाते है। इसकी उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन आज युवाओं के मध्य महंगे और ब्रांडेड फोन, खासकर आई फोन को लेकर बढ़ती दीवानगी माता-पिता के लिए चिंता का सबब बन रही है। कई बच्चे फोन को अपनी जरूरत से ज्यादा स्टेटस सिंबल मानने लगे हैं।

इसी एडिक्शन का शिकार हुआ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औसा)का कुणाल, जिसने आई फोन की जिद में अपनी जिंदगी को ही दांव पर लगा दिया । ना सिर्फ अपने बल्कि अपने मां-बाप की जिंदगी को भी अपनी जिद की भेंट चढ़ा दिया। कुणाल जो 19 वर्ष का था अपनी आई फोन खरीदने की जिद के कारण पहाड़ी से कूद कर जान देने की कोशिश करने लगा उसको बचाने में पिता गिर गए और इस सदमे में उसकी मां भी पहाड़ी से कूद गई। खबरों से पता चला कि उसने आई फोन खरीद लिया था पर ईएमआई भरना उसके बस की बात नहीं थी। उसने परिवार से जिद की, परिवार वालों ने समझाया कि उनकी हैसियत इतनी नहीं है कि वह ईएमआई भर पाए। बस वह अपनी जिद पूरी करने और घरवालों पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पहाड़ी पर चला गया और कहने लगा कि नहीं भरोगे तो नीचे कूद जाऊंगा। इसी घटनाक्रम में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो जाती है।

बच्चों में आई फोन की इस बढ़ती चाहत के पीछे सोशल मीडिया, दोस्तों के समूह का प्रभाव और विज्ञापनों की बड़ी भूमिका है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म पर महंगे फोन को सफलता , सम्पन्नता और आधुनिक जीवनशैली से जोड़कर दिखाया जाता है। जब एक बच्चा अपने दोस्तों के हाथ में नया आई फोन देखता हैं तो उसके मन में भी वैसा ही फोन पाने की ललक पैदा होती है। कई बार यह इच्छा इतनी तीव्र होती है कि वह इसके लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता हैं।वह चोरी ,डकैती या कोई भी अपराध करने को भी तैयार हो जाता है।इस प्रकार जिद और सामाजिक दबाव में वह अपना विवेक खोकर किसी भी कीमत पर अपनी इच्छा की पूर्ति करना चाहता है।

इस प्रवृत्ति का असर केवल परिवार के बजट पर नहीं, बल्कि बच्चों की सोच पर भी पड़ता है। यदि बच्चा अपनी पहचान को सिर्फ महंगे फोन और ब्रांडेड वस्तुओं से जोड़ने लगे, तो उसमें दिखावे और तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है। ये हम सभी जानते है कि मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से पढ़ाई, नींद , एकाग्रता प्रभावित होती है।

इसका समाधान बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर करना नहीं है, क्योंकि ऐसा कर पाना मुश्किल है। स्मार्टफोन आज शिक्षा, संपर्क और जानकारी का महत्वपूर्ण साधन है। जरूरत है कि माता-पिता, शिक्षक बच्चों को तकनीक और उपभोक्तावाद के बीच अंतर समझाएं। फोन खरीदते समय उसकी कीमत या ब्रांड के बजाय उसकी उपयोगिता, जरूरत और परिवार की आर्थिक क्षमता को देखे।इसका सीमित और जरूरत पूर्ति के लिए प्रयोग हो।

युवा डिजिटल दुनिया और दिखावे में इसलिए फंस रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया ने तुलना, लोकप्रियता और उपभोग को जीवनशैली का हिस्सा बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं। इससे युवाओं में तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है। ये देखकर वे अपनी जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं। वर्तमान समय में युवा लाइक और फॉलोअर्स की संख्या को ही सब कुछ समझ ने लगे है। यह डिजिटल लोकप्रियता युवाओं के आत्मसम्मान से जुड़ने लग रही है। ज्यादा लाइक और फॉलोअर्स को ही आज सफलता का पैमाना माना जा रहा है।

यह दिखावे की संस्कृति इस कदर युवाओं पर हावी हो गई है कि महंगे फोन, कपड़े, गाड़ियां, घूमने की जगहें और पार्टियां सोशल मीडिया पर नाम और प्रतिष्ठा के प्रतीक बन गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आते विज्ञापन लगातार ऐसी चीजें सामने लाते हैं जो युवाओं में खरीदने और बेहतर दिखने की इच्छा पैदा करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और सफलता बहुत आसान दिखाई देती है। इससे मेहनत, धैर्य और वास्तविक उपलब्धियों का महत्व कम होने लगता है। इस डिजिटल दुनिया में हजारों की संख्या में फ्रेंड होने के बावजूद आज कई युवा अपनी जिन्दगी में अकेलेपन से जूझ रहे हैं।कई बार वास्तविक जीवन में संवाद की कमी को युवा डिजिटल दुनिया में समय बिताकर पूरा करने की कोशिश करते हैं।

आज असली चुनौती इस डिजिटल दुनिया के प्रभाव को समझना है जो एक नशे की तरह उन्हें अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली जिंदगी पूरी तरह से सच नहीं होती। जीवन की वास्तविक सफलता महंगे फोन, ब्रांडेड सामान, लाइक या फॉलोअर्स में नहीं, बल्कि परिश्रम , ज्ञान, चरित्र , परिवार और आत्म विश्वास में है।

वर्तमान में माता पिता बच्चे की हर जरूरत पूरी करने को ही अपनी पेरेंटिंग समझ रहे है। कही न कही परिवार में संवाद कम हुआ है। हर घर में मोबाइल संस्कृति इस कदर हावी है कि चार लोग एक कमरे में बैठ कर भी अपने- अपने मोबाइल में बिजी दिखते है।माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उन्हें समझाना चाहिए कि किसी महंगे फोन, गैजेट्स का होना सफलता या श्रेष्ठता का पैमाना नहीं है। बच्चों को खेल, किताबों, रचनात्मक गतिविधियों और वास्तविक सामाजिक संबंधों के लिए भी पर्याप्त समय देना जरूरी है।

स्मार्टफोन अपने आप में समस्या नहीं है;, समस्या तब पैदा होती है जब वस्तु जरूरत से बढ़कर मान सम्मान, प्रतिष्ठा और पहचान का प्रतीक बन जाती है। बच्चों को तकनीक का समझदारी और संयम से इस्तेमाल करना सिखाना ही इस बढ़ती सनक का सबसे बेहतर समाधान है। बच्चे का व्यक्तित्व और संस्कार ही उसकी असली पहचान है। संवाद, समझाइश, समय और संयम के साथ परिवार के संस्कार उसे इस प्रकार के एडिक्शन और आभासी दुनिया से दूर रखने में सहायक हो सकते है।

(लेखिका, शिक्षाविद हैं।)

आरक्षण की राजनीति

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

भारतीय राजनीति में जाति, आरक्षण और सामाजिक न्याय का प्रश्न कोई नया नहीं है। आजादी के बाद से ही सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए संविधान ने विशेष प्रावधान किए। समय के साथ आरक्षण केवल सामाजिक प्रतिनिधित्व का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह भारतीय चुनावी राजनीति का एक प्रभावशाली हथियार भी बन गया। आज स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों दल सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण के सवालों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं। इससे समाज का एक बड़ा वर्ग स्वयं को राजनीतिक रूप से ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

हाल में राहुल गांधी द्वारा एक दलित नेता के कार्यक्रम के बाद कथित रूप से स्थान के शुद्धिकरण को लेकर दिया गया बयान इसी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति की जाति के आधार पर किसी स्थान का शुद्धिकरण किया गया है तो यह छुआछूत की मानसिकता को दशार्ता है और इस पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बयान को लेकर हल्द्वानी कोतवाली में अमित कुमार द्वारा शिकायत किए जाने और पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने स्वयं को अनुसूचित जाति समुदाय से बताते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने पूरे तथ्य जाने बिना सफाई की सामान्य प्रक्रिया को जातिगत भेदभाव से जोड़ दिया।

यह मामला केवल एक राजनीतिक बयान या प्राथमिकी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भारतीय राजनीति में जाति की लगातार बढ़ती भूमिका का बड़ा प्रश्न छिपा हुआ है। यदि वास्तव में किसी व्यक्ति को उसकी जाति के कारण अपमानित किया गया है तो निश्चित रूप से कानून को अपना काम करना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर, किसी सामान्य प्रशासनिक, धार्मिक अथवा सामाजिक प्रक्रिया को बिना पर्याप्त तथ्य के जातिगत भेदभाव का नाम देना भी गंभीर विषय है। सामाजिक न्याय की लड़ाई तभी मजबूत होगी जब आरोप तथ्य और प्रमाण पर आधारित हों, न कि राजनीतिक सुविधा पर।

इसी बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम और आर्थिक आधार पर आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय नेताओं के बयानों ने आरक्षण की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। राजनाथ सिंह, अमित शाह और चिराग पासवान जैसे नेताओं के बयानों को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सत्ता और विपक्ष भारतीय समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं?

विपक्ष पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वह संविधान, मनुस्मृति और छुआछूत जैसे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करना चाहती है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष पर भी आरोप है कि वह आरक्षण और संविधान की राजनीति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपना चुनावी आधार मजबूत करने का प्रयास करती है। यदि दोनों पक्षों की राजनीति का केंद्र केवल चुनावी गणित बन जाय तो सामाजिक न्याय का मूल उद्देश्य पीछे छूट सकता है।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी आरक्षण की प्रारंभिक अवधि दस वर्ष निर्धारित की गई थी, लेकिन संसद ने संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से इसे लगातार आगे बढ़ाया है। इसलिए यह कहना कि भारत में हर प्रकार का आरक्षण केवल दस वर्ष के लिए था ।

आरक्षण का मूल उद्देश्य उन समुदायों को अवसर देना था जिन्हें सदियों तक सामाजिक भेदभाव और अवसरों की असमानता का सामना करना पड़ा, यह उद्देश्य आज भी महत्वपूर्ण है। लेकिन सात दशक से अधिक समय बाद यह सवाल पूछना भी लोकतांत्रिक अधिकार है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ सबसे अधिक जरूरतमंद व्यक्ति तक किस प्रकार पहुंचे। क्या लाभ एक सीमित वर्ग तक ही केंद्रित हो रहा है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन आरक्षण के दायरे से बाहर रहने वाले परिवारों के लिए पर्याप्त अवसर हैं? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिससे किसी व्यक्ति को केवल जाति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर भी सहायता मिले?

आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग इसी व्यापक बहस का हिस्सा है। देश में अनेक लोग मानते हैं कि गरीबी किसी जाति, धर्म या समुदाय की सीमा नहीं देखती। गरीब परिवार चाहे किसी भी सामाजिक समूह से हो, उसके बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलना चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी समझना होगा कि सामाजिक भेदभाव और आर्थिक पिछड़ापन एक ही समस्या नहीं हैं। आर्थिक सहायता सामाजिक भेदभाव की समस्या को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकती। इसलिए सामाजिक और आर्थिक दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर नीति बनाने की आवश्यकता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि चुनाव आते ही राजनीतिक दल समाज को अलग-अलग पहचान के आधार पर देखने लगते हैं। कभी जातीय जनगणना और सामाजिक हिस्सेदारी के नाम पर राजनीतिक ध्रुवीकरण किया जाता है। सवाल यह है कि समाज को बांटने वाली राजनीति चाहे सत्ता पक्ष करे या विपक्ष, उसका अंतिम नुकसान किसे होता है? नुकसान आम नागरिक का ही होता है।

बहुसंख्यक समाज में भी आज यह भावना मजबूत हो रही है कि राजनीतिक दल उनकी वास्तविक समस्याओं से अधिक चुनावी समीकरणों को महत्व देते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, छोटे व्यापारियों की कठिनाइयां, युवाओं का भविष्य और कानून-व्यवस्था जैसे प्रश्न पीछे चले जाते हैं और चुनावी मंच पर जाति तथा धार्मिक पहचान प्रमुख हो जाती है।

हालांकि 'बहुसंख्यक हिन्दू' को एक समान राजनीतिक या सामाजिक समूह मान लेना भी उचित नहीं होगा। हिन्दू समाज के भीतर स्वयं जाति, क्षेत्र, भाषा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक अनुभवों की बड़ी विविधता है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल को यह दावा नहीं करना चाहिए कि वह पूरे समाज की एकमात्र आवाज है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की समस्याओं और अधिकारों को समान महत्व मिलना चाहिए। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

आज का राशिफल

मेष- अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

वृष- महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कर्क- राजकीय कार्यों से लाभ। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

सिंह- अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कन्या- कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें।

तुला- पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

वृश्चिक- स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ- स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी।

मीन- सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक-मुक्त जिला बनाने की दिशा में प्रशासन का सघन अभियान हुआ शुरू

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) देहरादून को स्वच्छ,हरा-भरा और प्लास्टिक-मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन का सघन अभियान जारी है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशन में नगर निगम के सभी 100 वार्डों में 50 सेक्टर अधिकारियों की टीम निगरानी और जागरूकता अभियान चला रही है। दुकानों व प्रतिष्ठानों की सघन जांच कर नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की सख्त हिदायत दी गई साथ ही पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। अभियान का संदेश स्पष्ट है कि सिर्फ कार्रवाई नहीं,व्यवहार में बदलाव लाना भी जरूरी है। आम आदमी से अनुरोध किया कि मिलकर अपने दून को प्लास्टिक-मुक्त दून बनाएं।

नगरीय निकाय चुनाव-2026

प्रशिक्षण से अनुपस्थित कार्मिकों को 2 सितम्बर को अंतिम अवसर

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के लिए पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम के प्रशिक्षण में 1 सितम्बर को अनुपस्थित रहे कार्मिकों को प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 2 सितम्बर को अंतिम अवसर दिया गया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल ने बताया कि पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रथम प्रशिक्षण 1 एवं 2 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन 1 सितम्बर को अनुपस्थित रहे पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम को प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए 2 सितम्बर को अंतिम अवसर दिया गया है। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध निर्वाचन प्रावधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर सुल्तान उल हिंद के शहर अजमेर में तालीम,तरबियत और तरक्की के लिए बच्चो में बेदारी प्रोग्राम का इनेकाद..

चमकता राजस्थान/अजमेर / मोहम्मद इरफान अंसारी। सुल्तान उल हिंद के शहर अजमेर में तालीम,तरबियत और तरक्की के लिए बच्चो में बेदारी प्रोग्राम का इनेकाद किया गया, दरगाह इलाका की हजरत तनाशाह बाबा की दरगाह पर उलेमा इकराम ने जश्ने हज़रत मुस्त×फा सल्लल्लाहु अलैही वसल्लम के मौके पर रहमतुल्लिल आलमिन की सीरत और तबीयत पर खुसुसी नसीहत फरमाई, जहां प्रोग्राम में नन्हे मासूम बच्चों ने अपने आका की शान में नाते पाक और मन्कबत के नजराना पेश किया,हाफिज़ शकील अहमद और हाफिज़ जाहिद ने बच्चो के नातिया मुकाबले में उनकी हौसला अफज़ाई फरमाई और उन्हें इनामात से नवाज़ा। महफिल में नातख्वा ग्यास मोहम्मद, इस्लाम अहमद समेत ताहिर अब्बासी ने उम्दा कलाम पेश किए जिस पर सामाइन झूम उठे और हर तरफ नूरानी मंज़र छा गया। इस नातिया प्रोग्राम में 12 साल तक के बच्चों ने हिस्सा लिया और दीनी दुनियावी तालीमात से फैज़ हासिल किया। हज़रत तनाशाह पीर बाबा कमेटी की जानिब से मुनाकीदा इस प्रोग्राम का असल मकसद तालीम,तरबियत और तरक्की के लिए बच्चो में बेदारी पैदा करना था।

नगरीय निकाय आम चुनाव 2026: निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव के लिए ईवीएम का प्रथम रैंडमाइजेशन संपन्न

जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष की अध्यक्षता में 227 ईवीएम का निकाय-वार हुआ आवंटन; पोलिंग बूथ अनुसार द्वितीय आवंटन 6 सितंबर को

चमकता राजस्थान

डीग, 01 सितम्बर। राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के दृष्टिगत मंगलवार को पंचायत समिति सभागार, डीग में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) मयंक मनीष की अध्यक्षता में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का प्रथम रैंडमाइजेशन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रथम रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग द्वा-रा प्रदत्त ईवीएम ट्रैकिंग मॉड्यूल के माध्यम से निष्पक्षतापूर्वक संपादित की गई। इसके अंतर्गत कुल 227 ईवीएम का जिले के 6 नगरीय निकाय क्षेत्रों–डीग, कुम्हेर, कामां, बृजनगर, पहाड़ी एवं सीकरी के लिए निकाय-वार आवंटन किया गया। इसके साथ ही कार्मिकों के प्रायोगिक प्रशिक्षण तथा चुनाव दिवस पर आपात स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक रिजर्व ईवीएम का भी नियमानुसार पृथक आवंटन सुनिश्चित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि आज संपादित हुए प्रथम रैंडमाइजेशन के तहत मशीनों का निकाय-वार निर्धारण किया गया है, जबकि संबंधित नगरीय निकायों के मतदान केंद्रों के अनुसार ईवीएम का द्वितीय रैंडमाइजेशन व आवंटन आगामी 6 सितंबर को किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को ईवीएम वेयरहाउस, सुरक्षा घेरे, स्ट्रॉन्ग रूम व्यवस्था तथा मशीनों के सुरक्षित परिवहन एवं संधारण हेतु निर्वाचन आयोग के तय प्रोटोकॉल की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेन्द्र परमार, संयुक्त निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग जगदीश प्रसाद, प्रोग्रामर पीयूष कुलश्रेष्ठ, विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, चुनाव शाखा के अधिकारी एवं तकनीकी कार्मिक उपस्थित रहे।

छंद परंपरा को नई ऊर्जा देता काव्य-संग्रह - 'नई पहल'

रेनू 'शब्दमुखर' समीक्षक

मुक्तछंद के बढ़ते प्रभाव वाले वर्तमान समय में यदि कोई कवयित्री पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ छंदबद्ध कविता की ओर लौटती है, तो यह केवल साहित्यिक साहस नहीं, बल्कि भारतीय काव्य-परंपरा के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता का परिचायक भी है। डॉ. तृप्ति गोस्वामी 'काव्यांशी' का काव्य-संग्रह 'नई पहल' इसी प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

साठ छंदबद्ध कविताओं से सुसज्जित यह संग्रह अपने शीर्षक को पूर्णतः सार्थक करता है। यहाँ 'नई पहल' केवल पुस्तक का नाम नहीं, बल्कि परंपरा और समकालीन संवेदना के बीच स्थापित एक जीवंत सेतु है। कवयित्री ने जनहरण-घनाक्षरी छंद की लयात्मकता को आधार बनाकर विविध विषयों को सहज, संप्रेषणीय और सरस रूप में अभिव्यक्त किया है।

संग्रह का सबसे प्रभावशाली पक्ष इसका विषय-विस्तार है। आरंभ शिव और श्रीकृष्ण की आराधना से होता है, तो आगे बढ़ते हुए प्रकृति के मनोहारी रूप-उपवन, गुलाब का फूल, बसंत ऋतु, वर्षा ऋतु, वृक्ष-पत्र, मिट्टी का महत्व- पाठक को प्रकृति से आत्मीय संबंध स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं। दूसरी ओर प्रकृति हनन जैसी कविता पर्यावरण संकट के प्रति चेतना जगाती है। यह द्वंद्व ही संग्रह को केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं रहने देता, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व से भी जोड़ता है।

डॉ. तृप्ति गोस्वामी का रचनात्मक संसार जीवन के सूक्ष्म अनुभवों से निर्मित है। बचपन की यादें, बड़ी बहन, पुराना खत, स्वयं से बात, प्रिय की स्मृति जैसी कविताएँ आत्मीयता और स्मृतियों की गरमाहट से भरपूर हैं। वहीं वृद्धों की सच्ची बातें, आदर्श पिता, मित्रता, अनुरक्ति, सत्कर्म पथ जैसी रचनाएँ जीवन-मूल्यों को सहज ढंग से स्थापित करती हैं। कवयित्री उपदेश नहीं देतीं, बल्कि अनुभवों को कविता का रूप देकर पाठक के अंतर्मन तक पहुँचाती हैं।

संग्रह का सामाजिक पक्ष भी उतना ही सशक्त है। नशे की लत, निर्धन के हालात, मध्यकाल में घूँघट प्रथा, आमदनी की तलाश में हताश भाई, कोरोना काल में ईश्वर से प्रार्थना, छात्र जीवन का एक परिदृश्य, बढ़ती उम्र में युवती को सीख, नल पर पानी भरने गई बहू को सासु माँ की व्यंग्यात्मक सीख जैसी कविताएँ समाज की विसंगतियों, पारिवारिक संबंधों और बदलते जीवन-मूल्यों को मार्मिकता के साथ सामने लाती हैं। विशेष बात यह है कि कवयित्री कहीं भी आक्रोश में भाषा की मर्यादा नहीं खोतीं; उनका स्वर संयत, संवेदनशील और संवादधर्मी बना रहता है।

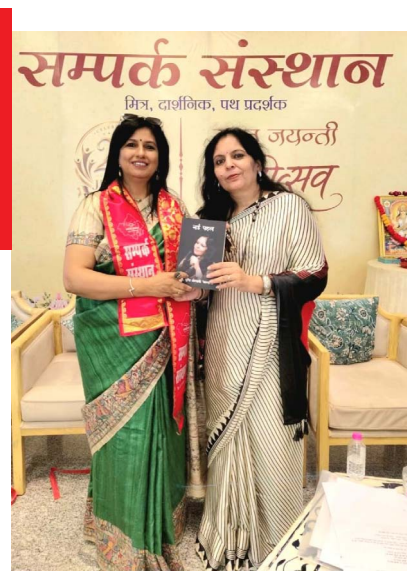

फलोदी जिले के सोनलपूरा में खेल महाकुंभ का समापन 4 सितंबर को,

- चार ग्राम पंचायतों की टीमें दिखाएंगी दम

चमकता राजस्थान/बाप/ सियाराम विश्नोई जाम्बा। राजस्थान की सांस्कृतिक और खेल विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तहसील बाप के ग्राम सोनलपूरा के खेल मैदान में चल रही ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का भव्य फाइनल मुकाबला आगामी 4 सितंबर को खेला जाएगा। इस खेल महाकुंभ का आयोजन ग्राम पंचायत सोनलपूरा के सरपंच श्री भंवरलाल खिलेरी के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है।

चार ग्राम पंचायतों के बीच कड़ा मुकाबलाः इस रोमांचक प्रतियोगिता में क्षेत्र की चार प्रमुख ग्राम पंचायतों– मोडकिया, राणेरी, सोनलपूरा और रामपुरा के खिलाड़ी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के तहत रस्साकस्सी, 1600 मीटर लंबी दौड़ और अन्य पारंपरिक व आधुनिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें युवाओं का भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

4 सितंबर को विजेताओं को मिलेगा नकद पुरस्कार और ट्रॉफीः प्रतियोगिता का समापन और फाइनल मुकाबले 4 सितंबर को होंगे। इस अवसर पर विजेता और उप-विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को आकर्षक ट्रॉफियों के साथ-साथ नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

देवली और खारड़ा में दो सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू, सुबह जंगल में छोड़ा

चमकता राजस्थान/ब्यूरो चीफ जेके बावल/ जीवन्द कलां। क्षेत्र में सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर घरों और आबादी के बीच पहुंचे दो सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू टीम के नगाराम भटनागर खारड़ा ने दोनों सांपों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रूप से पकड़कर बाद में प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

देवली (पाबूजी) गांव के बेरा भाटियो वाला में सोमवार शाम को एक धामन सांप दिखाई देने से लोगों में हलचल मच गई। सूचना मिलने पर रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक सांप को सुरक्षित पकड़ लिया।

इसी तरह सोमवार देर रात करीब 2 बजे खारड़ा गांव में शिवलालजी गोमतीवाल के घर में एक कॉमन करैत सांप दिखाई दिया। सूचना मिलने पर रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी सावधानी से करैत सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

रेस्क्यू किए गए दोनों सांपों को रातभर सुरक्षित रखा गया। इसके बाद मंगलवार सुबह दोनों सांपों को सुरक्षित रूप से जंगल में उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

रेस्क्यू टीम ने लोगों से अपील की कि घर या आसपास सांप दिखाई देने पर घबराएं नहीं और न ही उसे मारने का प्रयास करें। तुरंत प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचना दें, ताकि सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके।

स्थानीय निकाय चुनाव-2026 को लेकर भाजपा ने जिला एवं मंडल संयोजकों की घोषणा की

- राजीव बारासा के नेतृत्व में संगठनात्मक तैयारियों को मिलेगी गति, विरेंद्र ढेणवाल बने जिला संयोजक

चमकता राजस्थान/जोधपुर / चंद्र प्रकाश मेघवाल। स्थानीय निकाय चुनाव-2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी, जोधपुर शहर एवं अनुसूचित जाति मोर्चा की संगठनात्मक तैयारियां तेज हो गई हैं। भाजपा जोधपुर शहर के जिलाध्यक्ष आदरणीय श्री राजेंद्र जी पालीवाल के निर्देशानुसार तथा अनुसूचित जाति मोर्चा, जोधपुर शहर के जिला प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष श्री राजीव जी बारासा के नेतृत्व में स्थानीय निकाय चुनाव के लिए जिला एवं मंडल स्तर पर संयोजकों की घोषणा की गई है।

घोषित जिम्मेदारियों के अनुसार विरेंद्र ढेणवाल को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं संजू चौहान एवं सुनील बारासा को जिला सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसी क्रम में मंडल स्तर पर मसूरिया मंडल से यश बारासा, सूरसागर से पुरुषाराम मेघवाल, चौपासनी से अजीत पंवार, प्रताप नगर से सुनील तेजी, त्रिपोलिया से उषा पंवार, खांडा फलसा से महेश सरगरा, शास्त्री नगर से दीपक गोयल, रातानाडा से दिनेश गुन्द, महामंदिर से विनोद दयमा, लाल सागर से महेश सिसोदिया, राईका बाग से विशाल चांगरा तथा पावटा से सिद्धांत खन्ना को मंडल संयोजक नियुक्त किया गया है।

मांडल में हर्षोल्लास के साथ मनाई तीज, महिलाओं ने की तीज माता की पूजा-अर्चना

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। मांडल। मांडल की नई नगरी में तीज पर्व हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने तीज का व्रत रखकर तीज माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

तीज पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह नजर आया। सभी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तीज माता का पूजन किया और एक-दूसरे को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्रवीणा बिरला, आरती बिरला, मीनू बिरला, चंदा सोमानी, कांता बिरला, अनीता चेचानी, कविता बिरला, कनिका बिरला, निकिता बिरला, शीतल बिरला, अर्चना बिरला, राखी बिरला एवं साधना बिरला सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

रानी खुर्द पालिका चुनाव : संविक्षा के बाद 20 वार्डों में 87 प्रत्याशी वैध घोषित

चमकता राजस्थान

भरत कुमार गांधी/रानी। रानी खुर्द नगरपालिका चुनाव में आज नाम निर्देशन पत्रों की संविक्षा पूरी हो गई। रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी शिवा जोशी ने बताया कि कुल 105 अभ्यर्थियों ने 138 नामांकन पत्र दाखिल किए थे, जिनमें से 87 नामांकन स्वीकृत किए गए हैं। 07 नामांकन मर्ज तथा 44 नामांकन खारिज* किए गए, इस प्रकार कुल 51 नामांकन खारिज/मर्ज हुए। शेष 87 नामांकन वैध रहे। प्ररूप-4 के अनुसार वार्डवार वैध उम्मीदवार इस प्रकार हैं -

वार्ड 01 - 4 : महेश कुमार (भाजपा), राकेश कुमार/भाणाराम (कांग्रेस), राकेश कुमार/हकाराम (निर्दलीय), विक्रम कुमार (निर्दलीय)

वार्ड 02 - 5 : घीसूलाल चौधरी (भाजपा), जगदीश कुमार (कांग्रेस), ताराचंद, जयसिंह, प्रेमाराम चौधरी (निर्दलीय)

वार्ड 03 - 4 : कैलाश कंवर (भाजपा), वीरू कंवर (कांग्रेस), नीता, प्रेम कंवर (निर्दलीय)

वार्ड 04 - 6 : भरत कुमार (रालोपा), शारदा (भाजपा), सुरेश कुमार (कांग्रेस), गणपतलाल चितारा, दीपाराम, प्रवीण कुमार (निर्दलीय)

वार्ड 05 - 3 : डालचन्द मेवाडा (भाजपा), वीरेन्द्र सिंह उर्फ विपिन कच्छवाहा (कांग्रेस), छोटूसिंह (निर्दलीय)

वार्ड 06 - 7 : मुकेश जांगिड़ (कांग्रेस), हरीश गहलोत (भाजपा), ईसाक मोहम्मद, महेन्द्र मालवीय, मुकेश घांची, रमेश परिहारिया, रेखा गहलोत (निर्दलीय)

वार्ड 07 - 4 : मोहम्मद अकरम (कांग्रेस), लक्ष्मण सुथार (भाजपा), मोहम्मद हुसैन, सलीम मोहम्मद (निर्दलीय)

वार्ड 08 - 5 : भोमाराम मालवीय (कांग्रेस), रघुदत्त (भाजपा), कमलेश, मुकेश, वैभव भाना (निर्दलीय)

वार्ड 09 - 3 : कमला पुरोहित (कांग्रेस), सन्तोष गोस्वामी (भाजपा), शारदा (निर्दलीय)

वार्ड 10 - 6 : कपूराराम (कांग्रेस), योगेन्द्र कुमार (भाजपा), भारती, राजु कुमार, सुरेन्द्र सिसोदिया, हरि सिंह (निर्दलीय)

वार्ड 11 - 5 : रिंकु कुमारी (कांग्रेस), संगीता मेहता (भाजपा), पूर्वी जैन, भानुप्रिया गु-रोसा, शैलु अग्रवाल (निर्दलीय)

वार्ड 12 - 3 : कुन्दनसिंह राजपुरोहित (भाजपा), मोहम्मद इलियास (कांग्रेस), नजीर मोहम्मद (निर्दलीय)

वार्ड 13 - 3 : बाबुलाल (भाजपा), मीठालाल (कांग्रेस), लक्ष्मण बंजारा (रालोपा)

वार्ड 14 - 3 : कविता बंजारा (कांग्रेस), सीता (भाजपा), गीता (निर्दलीय)

वार्ड 15 - 6 : तरूण खारवाल (भाजपा), पिन्टू कुमार (कांग्रेस), छगनलाल, मदनसिंह, रमेश कुमार, शेर खान (निर्दलीय)

वार्ड 16 - 4 : तीर्थराज गोयल (रालोपा), भरत कुमार (भाजपा), रोशन कुमार (कांग्रेस), हीरालाल चितारा (निर्दलीय)

वार्ड 17 - 5 : अशोक माली (भाजपा), भैराराम (कांग्रेस), डायाराम, प्रकाश कुमार, संजय कुमार (निर्दलीय)

वार्ड 18 - 4 : पूनम चितारा (कांग्रेस), प्रिया अग्रवाल (भाजपा), उषा, चान्द कंवर (निर्दलीय)

वार्ड 19 - 4 : कोमल (रालोपा), गीता देवी (कांग्रेस), मथुरा देवी (भाजपा), नेनू (निर्दलीय)

वार्ड 20 - 3 : सवाराम (भाजपा), सुनील बाबू बैरवा (कांग्रेस), सुनील बुनकर (निर्दलीय)

लोककला महोत्सव 2026 में संगीतकार शिवराज साने का सम्मान

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/मुंबई। लोककलावंत सांस्कृतिक मंच, मुंबई की ओर से आयोजित 'लोककला महोत्सव 2026' में गायक, कवि एवं संगीतकार शिवराज साने को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम 27 अगस्त 2026 को प्रभादेवी, दादर पश्चिम स्थित रविंद्र नाट्य मंदिर में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

शिवराज साने पिछले 25 वर्षों से लोककला के माध्यम से विभिन्न जिलों में जनजागृति का कार्य कर रहे हैं। महापुरुषों के विचार, अंधविश्वास निर्मूलन, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समरसता जैसे विभिन्न सामाजिक विषयों पर गीतों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने जनजागृति की है।

इस महोत्सव में भारत सरकार के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री रामदास आठवले, महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री एड. आशीष शेलार, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, भारतीय बौद्ध महासभा के अध्यक्ष भीमराव आंबेडकर, सुप्रसिद्ध गायक आनंद शिंदे, वरिष्ठ विचारक डॉ. प्रा. बी. के. डोंगरगावकर, प्रसिद्ध कवि चंदनशिवे, गायक-संगीतकार विश्वजीत शिंदे, गायक राहुल शिंदे, प्रसिद्ध पोवाड़ा गायक राजा कांबले सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन हर्षद कांबले ने किया। इस अवसर पर विष्णु शिंदे द्वारा लिखित 'त्रिरत्न', 'नील नयनी' और 'बहुरंग' इन तीन पुस्तकों का प्रकाशन भी किया गया। साथ ही महापुरुषों के विचारों पर आधारित गीतों का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक विष्णु शिंदे (गायक, कवि एवं संगीतकार) थे। लोककला के माध्यम से सामाजिक प्रबोधन का कार्य करने वाले कलाकारों के सम्मान के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव को दर्शकों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता जागरूकता रैली एवं मानव श्रृंखला से दिया मतदान का संदेश

चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण/बाड़ी। राजकीय महाविद्यालय बाड़ी में मंगलवार को सतरंगी स्वीप सप्ताह कैलेण्डर-2026 के अंतर्गत मतदाता जागरूकता रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वीप कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक आचार्य अंग्रेजी अभिषेक परमार के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए, मतदाता जागरूकता से संबंधित विभिन्न संदेशों के माध्यम से आमजन को मतदान के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक द्वारा अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने का संदेश दिया। मतदाता जागरूकता रैली एवं मानव श्रृंखला के दौरान विद्यार्थियों ने ''मतदान हमारा अधिकार है'' तथा ''लोकतंत्र की यही पहचान, शत-प्रतिशत हो मतदान'' जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व से अवगत कराया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. धर्मेन्द्र कुमार मीना ने सभी छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित स्टाफ सदस्यों को मतदाता शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतंत्र में मतदान के महत्व को समझाते हुए कहा कि प्रत्येक मत देश और समाज के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए प्रत्येक पात्र मतदाता को बिना किसी भय, प्रलोभन अथवा दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम में सहायक आचार्य गुमान सिंह मीना, ओम प्रकाश गुर्जर (एन.एस.एस. प्रभारी) सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने निष्पक्ष, निर्भीक एवं जागरूक होकर मतदान करने तथा अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

डग निकाय चुनाव के नामांकन पत्रों की संवीक्षा पूरी,75 नामांकन वैध पाए गए 54 निरस्त

- **3 सितंबर को नाम वापसी, 4 को होगा चुनाव चिह्नों का आवंटन**

चमकता राजस्थान/डग-01सितंबर (कुन्दन व्यास)। नगर निकाय चुनाव को लेकर डग नगरपालिका में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं।मंगलवार को रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में दाखिल नामांकन पत्रों की संवीक्षा का कार्य पूरा किया गया।रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश चंदोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि डग नगरपालिका के 20 वार्डों के लिए इस बार दोनों राष्ट्रीय दलों भाजपा-कांग्रेस सहित निर्दलीय प्रत्याशियों ने बढ़-चढ़कर नामांकन दाखिल किए थे।कुल 129 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे।मंगलवार को दिनभर चली संवीक्षा प्रक्रिया में प्रत्येक नामांकन पत्र की बार-ीकी से जांच की गई।इस दौरान प्रत्याशी की आयु,मतदाता सूची में नाम,प्रस्तावक के हस्ताक्षर, जाति प्रमाण पत्र, जमानत राशि सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों और औपचारिकताओं की जांच की गई।जांच के बाद 75 नामांकन वैध पाए गए, जबकि दस्तावेज अधूरे होने और त्रुटियों के चलते 54 नामांकन निरस्त कर दिए गए।

- **नाम वापसी पर टिकी सबकी निगाहें**

एसडीएम चंदोलिया ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया चलेगी। नाम वापसी के अंतिम दिन ही यह तय होगा कि किस वार्ड में कितने प्रत्याशी मैदान में रहेंगे। इसके बाद 4 सितंबर को प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे और उसी दिन से अधिकृत रूप से प्रचार शुरू हो सकेगा।

- **पार्टियां निर्दलीयों को मनाने में जुटीं**

संवीक्षा पूरी होने के बाद अब दोनों प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों में हलचल तेज हो गई है। पार्टी से बागी होकर निर्दलीय नामांकन भरने वाले प्रत्याशियों को मनाने के लिए पदाधिकारी जुट गए हैं।सूत्रों के अनुसार कई वार्डों में पार्टी के ही दो-दो प्रत्याशियों के वैध पाए जाने से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में नाम वापसी के दिन तक मान-मनौव्वल का दौर जारी रहने की संभावना है।नाम वापसी के बाद चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी और नगर में चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा।

अजमेर में जायरिन के साथ जेबतराशों का आतंक, मोबाइल-पॉकेटमारों ने मचा रखी है लूट

चमकता राजस्थान

अजमेर / मोहम्मद इरफान अंसारी/अजमेर। ख्वाजा गरीब नवाज की नगरी में जहां देश-विदेश से लाखों जायरिन अकीदत का नजराना पेश करने आते हैं, वहीं कुछ जेबतराश और मोबाइल चोर गिरोहों ने उनका जीना दुहाल कर रखा है।

दरगाह बाजार, नला बाजार, दिल्ली गेट, स्टेशन रोड और अन्दरकोट इलाके में भीड़ का फायदा उठाकर ये शातिर चोर जायरिन की जेब से नकदी, मोबाइल और कीमती सामान पार कर रहे हैं। गरीब जायरिन जो हजारों किलोमीटर सफर करके बड़ी उम्मीदों से आते हैं, वे लुट कर खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। इससे अजमेर की

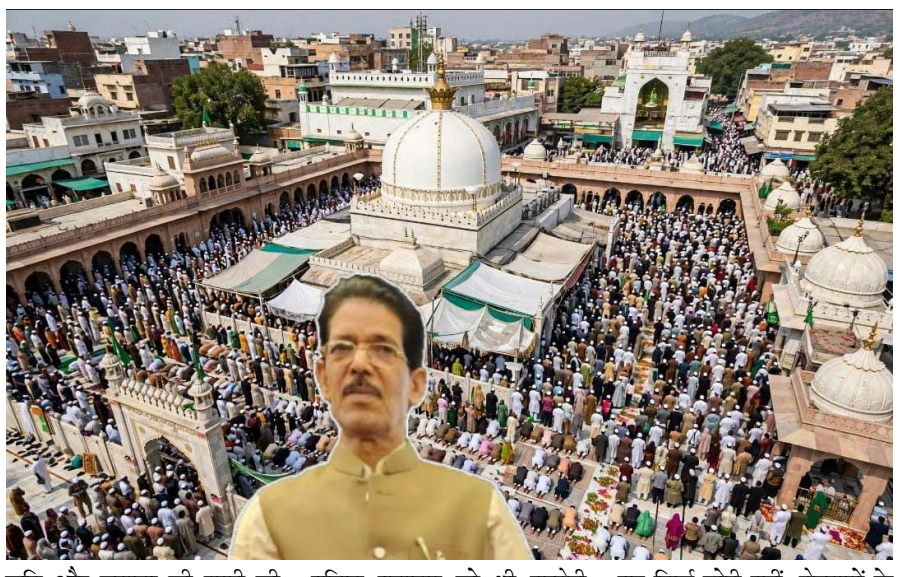

छवि और ख्वाजा की नगरी की मेहमाननवाजी पर भी बट्टा लग रहा है।

पुलिस प्रशासन को भी मुस्तैदी से काम करना होगा तभी इन जेब तराशों पर अंकुश लग पायेगा

यह सिर्फ चोरी नहीं, मेहमानों के भरोसे पर चोट है।

- **मंसूरी समाज की मांगः**

आल इंडिया मंसूरी समाज़ राज़ के सदर रियाज अहमद मंसूरी ने इस पर गहरी चिंता जताई है।

हमारी जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से पुरजोर मांग हैः

1. सख्त गश्त और सादे कपड़ों में पुलिसः दरगाह के आसपास के भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं।
2. CCTV और लाउडस्पीकर से आगाहीः मुख्य चौराहों पर उऊळश कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए और लाउडस्पीकर से जायरिन को जेबतराशों से होशियार रहने की अपील लगातार की जाए।
3. मदद केंद्रः जायरिन की मदद के लिए जगह-जगह ₹जायरिन सहायता केंद्र₹ बनाए जाएं जहां शिकायत तुरंत दर्ज हो।
4. समाज की जिम्मेदारीः* हम हर समाज के सभी नौजवानों से अपील करते हैं कि अगर कोई जायरिन परेशान दिखे या चोरी का शिकार हो, तो उसकी मदद करें और तुरंत पुलिस को सूचना दें।

अजमेर शरीफ पूरी दुनिया में अमन और इंसानियत का पैगाम देता है। यहाँ आने वाला हर जायरिन हमारा मेहमान है और मेहमान की हिफाजत करना हम सबकी जिम्मेदारी है। अगर आज हमने आवाज नहीं उठाई तो कल कोई भी जायरिन खुद को यहाँ महफूज महसूस नहीं करेगा।

प्रशासन से गुजारिश है कि इस गिरोह पर सख्त कार्रवाई कर अजमेर को जेबतराश-मुक्त बनाया जाए।

अजनबियों से सावधान रहने का संदेश, बच्चों को अपहरण, अगवा किए जाने एवं बाल तस्करी से बचाने के लिए किया जागरूक

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता रामदास तरुण/बाड़ी। आमजन, विशेषकर बच्चों को अपहरण, अगवा किए जाने एवं बाल तस्करी जैसी गंभीर घटनाओं से बचाने तथा अजनबी व्यक्तियों से सावधान रहने के उद्देश्य से मंगलवार को लक्ष्मी शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बाड़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसीजेएम-03 आयुष गुप्ता ने बच्चों को सुरक्षा के प्रति सजग एवं सतर्क रहने का संदेश देते हुए, कहा कि बच्चों को किसी भी अजनबी व्यक्ति के साथ नहीं जाना चाहिए और न ही अनजान व्यक्ति द्वारा दिए गए, किसी सामान, उपहार अथवा खाने-पीने की वस्तु को स्वीकार करना चाहिए। यदि

कोई व्यक्ति बहलाने-फुसलाने, अपने साथ चलने या किसी प्रक ार का लालच देने का प्रयास करे, तो बच्चों को तत्काल वहां से दूर हटकर अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी देनी चाहिए। इस दौरान बच्चों को विशेष रूप से ''अजनबी से सावधान–मना करो, दूर जाओ और बताओ'' का संदेश समझाया गया। उन्हें बताया गया कि किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में घबराने के बजाय समझदारी, सतर्कता और साहस से काम लेना चाहिए। कार्यक्रम में न्याय कर्मचारी सत्य प्रकाश तंवर, विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मी नारायण शर्मा तथा युवा चेतना फाऊंडेशन धौलपुर के अध्यक्ष रामदास तरुण मौजूद रहे। सभी ने बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि वे अपना घर का पता, मोबाइल नंबर अथवा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें, तथा घर से बाहर जाते समय आवश्यक सुरक्षा संबंधी सावधानियों की जानकारी दें। वक्ताओं ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल अभिभावकों की नहीं, बल्कि पू-रे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जागरूक, सतर्क एवं सुरक्षित बनाना तथा संभावित अपहरण एवं बाल तस्करी जैसी घटनाओं की रोकथाम के प्रति समाज को सजग करना रहा।

''सतर्कता ही सुरक्षा है–सावधान रहें, सुरक्षित रहें और बच्चों को भी सुरक्षित रखें।''

गृह मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के जन्मदिन पर बांदीकुई व बसवा में सुंदरकांड, हवन सहित कई कार्यक्रम आयोजित

युवा नेता देवराज चाड़ के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा। प्रदेश के गृह मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के जन्मदिन पर युवा नेता देवराज चाड़ के नेतृत्व में बांदीकुई व बसवा में सुंदरकांड, हवन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गृह मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 1 सितंबर मंगलवार को श्री सिद्ध पीठ बालाजी मंदिर, बसवा में संगीतमय सुंदरकांड हवन एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा नेता देवराज चाड़ विधानसभा क्षेत्र बांदीकुई की ओर से किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड पाठ, हवन

एवं भजन-संगीत के माध्यम से जन्मदिन की खुशियां मनाई गई। इसके बाद श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों को प्रसादी का वितरण किया गया।

आयोजक युवा नेता देवराज चाड़ ने बताया कि इस दौरान फल वितरण, पौधारोपण सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। देवराज चाड़ ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से आपसी भाईचारा और सकारात्मक वातावरण मजबूत होता है।

इस दौरान सिद्धपीठ ऋषि दास महाराज, युवा नेता संजय भंडाना,डॉ देवराज गुर्जर,जसवंत सिंह राजपूत, राजेन्द्र सैनी,नितीन अवस्थी,राम मीणा, रामदयाल बैरवा, सुनील महरा, कृष्ण ठेकादार, जितेन मानोता शक्ति बैसला अरनिया, कृष्ण सोडाला,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश हर्षाणा, डालचंद ढोलका, सुरेन्द्र कसाना, समय हरिपुरा,बाबू बसवा विनोद बैनाड़,शेर सिंह कंसाना (किर्यटर),दिल धनावड़,यादाराम बैसला, शेर सिंह किशनपुरा,जय धनावड़,निरु हरिपुरा, नरेंद्र अंकित, भवानी सज्जन माल सहित अन्य लोग मौजूद रहे

मोहनलाल जैन कावा की मांग पर लगी मुहर, उदयपुर-सूरत वंदे भारत की समय सारिणी में बदलाव

चमकता राजस्थान/प्रतिनिधि अरविंद कोठारी/मुंबई। उदयपुर-सूरत वंदे भारत एक्सप्रेस की समय सारिणी में बदलाव की लंबे समय से की जा रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। यात्रियों और परिवहन संगठनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने ट्रेन के समय में बदलाव किया है। यह जानकारी समिति संयोजक मोहनलाल जैन ने पत्रकार परिषद में दी।

मुंबई राजस्थान परिवहन सेवा संघर्ष समिति के अध्यक्ष मोहनलाल जैन कावा ने बताया कि उन्होंने उदयपुर-सूरत वंदे भारत के समय में बदलाव को लेकर रेल मंत्रालय, रेल मंत्री, सांसदों और संबंधित रेल अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे थे। शुरुआत में रेलवे बोर्ड ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब ट्रेन की समय सारिणी में बदलाव किए जाने से उनकी मांग को मान्यता मिली है।

जैन के अनुसार, नई समय सारिणी के तहत उदयपुर से वंदे भारत दोपहर करीब 3 बजे रवाना होकर रात 10 बजे तक सूरत पहुंचेगी। वहीं, सूरत से ट्रेन सुबह 6 बजे रवाना होकर दोपहर 2 बजे उदयपुर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यह समय यात्रियों की सुविधा और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर सुझाया गया था।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय सारिणी के कारण सूरत से उदयपुर आने वाले बड़ी संख्या में ग्रामीण यात्रियों को सुबह बहुत जल्दी घर से निकलना पड़ता है। कई गांवों में पर्याप्त बस या सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं होने के कारण यात्रियों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ता है।

मोहनलाल जैन कावा और प्रकाश नागदा ने कहा कि समय में बदलाव से यात्रियों को राहत मिलेगी और ट्रेन में यात्री भार भी अधिक संतुलित हो सकेगा। उन्होंने रेलवे प्रशासन के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह बदलाव यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

मोहनलाल जैन कावा ने पत्रकार परिषद में कहा कि लगातार किए गए प्रयासों के बाद रेलवे द्वारा उनकी मांग के अनुरूप समय में बदलाव किया जाना यात्रियों की आवाज की जीत है।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र, भाइयों की लंबी उम्र की कामना

चमकता राजस्थान

गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। राजस्थान आप देख सकते हो जहा राखी के अवसर पर इस पावन त्यौहार पर बहन भाई को राखी बांधती है और भाई की लंबी उम्र की कामना करती है और भाई बहन की रक्षा करने का वचन देता है और हर वक्त साथ देने की शपथ लेता है लेकिन सच तो यह है की राखी से अभी तक किसी बहन बेटी की ना तो रक्षा हुई और ना भाई की रक्षा हुई आए दिन दुर्घटनाएं देखने को मिलती हैं वही दूसरी और बहन बेटी भी कही सुरक्षित नजर नही आती कभी किसके साथ गलत होता है तो कभी बहन बेटी की हत्या कर दी जाती है वही दूसरी और अब यह भी देखा जाता है कि राखी उस परमपिता परमात्मा को बांधो जो सबकी रक्षा करता है वह परमेश्वर परमपिता सबके तारणहार सबके

सर्जनहार उस भगवान को हम रक्षा सूत्र बंधेंगे तो वह हम सब की रक्षा वह परमात्मा करेंगे आओ हम सब मिलकर उस परमपिता परमेश्वर को रक्षा सूत्र बांध के हमारी सब की रक्षा की कामना करते हैं

वह परमात्मा कैसा है कहां रहता है कैसे मिलता है उसे हम कैसे पहचान सकते हैं

उसे परमात्मा की पहचान बताई संत रामपाल जी महाराज ने

₹पानी से पैदा नहीं, श्वासा नहीं शरीर।

अन्न आहार करता नहीं, ताका नाम कबीर।।₹

भावार्थः

संत रामपाल जी महाराज कहते हैं कि परमात्मा पानी से पैदा नहीं हुआ, उसका शरीर सांस वाला नहीं है, और वो अन्न भी नहीं खाता। ऐसे अविनाशी परमात्मा का नाम ही कबीर है।

संत रामपाल जी महाराज बताते हैं कि कबीर साहेब स्वयं पूर्ण परमात्मा हैं।

वह परमपिता परमात्मा सारी सृष्टि

के रचनाहार कबीर देव कबीर साहिब है आज उन्हीं के अवतार जगतगुरु तत्त्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज हैं।

उनके दिए गए रक्षासूत्र से बहन की भी रक्षा होती है भाई की भी रक्षा होती है और पूरे परिवार की रक्षा होती है आने वाली हर दुर्घटनाओं से हर दुख पीड़ा कष्ट बीमारी से वही परमात्मा हमें बचाते हैं और हमारी रक्षा भी करते हैं।

कबीर कहते हैं

राखी एक त्योहार है, भाई-बहन का प्रेम है। लेकिन असली रक्षा तो उस मालिक के हाथ में है जो 24 घंटे हमारे साथ रहता है।

कनेक्टिविटी से आगे बढ़ रहा जियो, हेल्थकेयर और कृषि में टेक्नोलॉजी से बदलाव की तैयारी

चमकता राजस्थान

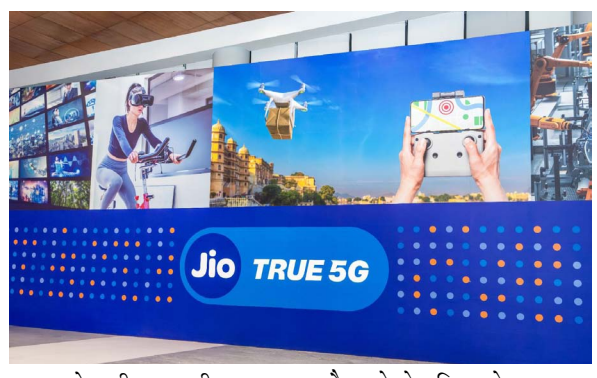

जयपुर। देश में डिजिटल क्रांति अब केवल संचार तक सीमित नहीं रह गई है। इंटरनेट और कनेक्टेड डिवाइसेज का विस्तार स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी बदलाव की नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। जियो की डिजिटल यात्रा भी मोबाइल कनेक्टिविटी और किफायती डेटा से आगे बढ़कर ऐसे डिजिटल इकोसिस्टम की ओर बढ़ रही है, जो लोगों के रोजमर्रा के जीवन को और आसान बना सके।

जियो के किफायती डेटा और व्यापक कनेक्टिविटी ने शहरों के साथ ग्रामीण भारत में भी इंटरनेट की पहुंच बढ़ाई है। किसान, विद्यार्थी, छोटे कारोबारी और आम परिवार अब मोबाइल के जरिए जानकारी, शिक्षा, डिजिटल भुगतान, मनोरंजन और विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

कृषि क्षेत्र में डिजिटल तकनीक किसानों को मौसम, फसल और बाजार से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ फसलों की निगरानी और बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती है। स्मार्ट डिवाइसेज और कनेक्टिविटी खेती को अधिक सटीक और उत्पादक बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

शिक्षा में इंटरनेट ने डिजिटल कंटेंट, वीडियो और ऑनलाइन कक्षाओं तक पहुंच आसान कर दी है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए भी सीखने के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं।

हेल्थकेयर को लेकर संभावनाएं और भी व्यापक हैं। वियरेबल और कनेक्टेड डिवाइसेज स्वास्थ्य की लगातार निगरानी में मदद कर सकते हैं। भविष्य में पोर्टेबल तकनीक के जरिए छोटे उपकरणों में ही कई मेडिकल जांच की सुविधाएं उपलब्ध होने और डॉक्टर की भौतिक मौजूदगी के बिना जांच के परिणाम तेजी से हासिल करने की संभावना है। जियो का अगला चरण इसी डिजिटल कनेक्टिविटी को हेल्थकेयर, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों तक ले जाकर तकनीक को आम भारतीय के जीवन का और अधिक उपयोगी हिस्सा बनाने की दिशा में है।

होर्मुज में तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान से मिले पीएम मोदी, किन मुद्दों पर हुई बात?

बिश्केक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी सोमवार को किर्गिजस्तान के दौरे पर हैं। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई है। फरवरी में मिडिल ईस्ट में शुरू हुए युद्ध के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहला ऐसा मौका है, जब आमने-सामने मुलाकात हुई। फिलहाल यह जानकारी सामने नहीं आई है कि दोनों नेताओं ने बैठक के दौरान किन विषयों पर चर्चा की, लेकिन संभावना है कि इस दौरान होर्मुज में लगे ईरानी नाकेबंदी पर चर्चा हुई होगी। भारत में ईरानी दूतावास ने एक्स पोस्ट पर लिखा, 'इस्लामिक गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियान ने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन और शंघाई प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने और संबोधित करने के लिए किर्गिजस्तान की अपनी यात्रा के पहले चरण के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और बातचीत की।' बता दें कि किर्गिजस्तान की राजधानी बिश्केक जाने से पहले ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा था कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन किसी भी आक्रामकता का जवाब शक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ देगा। उन्होंने क्षेत्र में अस्थिरता को सभी देशों के लिए हानिकारक बताया और आर्थिक एवं सुरक्षा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

साड़ी पहन नंगे पैर दौड़ी 47 साल की मां

बेटी की फीस भरने के लिए जीता 3 हजार रुपये का इनाम

मुंबई।

'वो मां है, कुछ भी कर सकती है।' ये बात एक बार फिर साबित हुई है। महाराष्ट्र के बीड जिले के अंबाजोगाई की रहने वाली 47 साल की महिला ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो मां के दृढ़ संकल्प की कहानी बयां करती है। रमाबाई रणवीर नाम की महिला ने अपनी बेटी की स्कूल फीस भरने के लिए मैराथन में हिस्सा लिया। रमाबाई ने न सि- र्फ हिस्सा लिया, बल्कि ये दौड़ भी जीती। रमाबाई रणवीर की ये जीत और भी खास इसलिए थी, जहां बाकी लोग स्पोर्ट्स शूज और ट्रैक सूट पहनकर मैराथन में दौड़ रहे थे, वहीं रमाबाई साड़ी पहने नंगे पैर इस दौड़ में उतरीं और मैराथन जीत ली। इस दौड़ में बड़ी संख्या में स्थानीय युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। रमाबाई रणवीर साधारण साड़ी और चप्पल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थीं। वह एक आम प्रतिभागी के तौर पर प्रतियोगिता में शामिल हुई थीं। जब दौड़ शुरू हुई, तो रमाबाई पूरे संकल्प के साथ दौड़ीं, लेकिन दौड़ के दौरान उनकी चप्पलें फिसलने लगीं और उनकी रफ्तार पर असर पड़ा। रुकने के बजाय, उन्होंने चप्पलें उतारकर अपने हाथों में ले लीं और नंगे पैर दौड़ना जारी रखा। रमाबाई के सामने सड़क पर नंगे पैर दौड़ते हुए कई चुनौतियां आईं। जैसे कि पत्थर और दौड़ते समय साड़ी को संभालना, इसके बावजूद, वह उनके अंदर जीतने का जज्बा कायम रहा। उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें स्पोर्ट्स शूज और ट्रैक सूट पहने कई युवा प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने में मदद की। रमाबाई की जीत ने दर्शकों समेत आयोजकों को भी भावुक कर दिया।

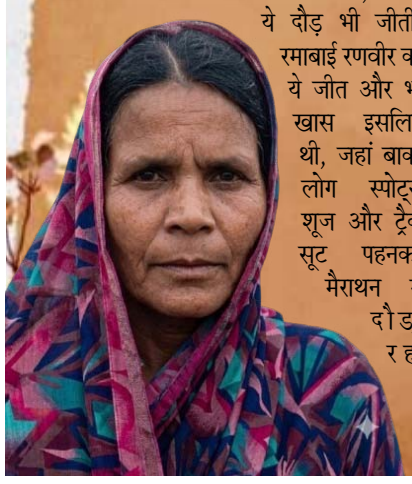

'बाढ़ आ रही है, भागो'

नेपाल में अजनबी ने कैसे बचाई 370 छात्रों और टीचर्स की जान

नुवाकोट। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के दौरान एक अनजान व्यक्ति की चेतावनी ने 370 से अधिक छात्रों और टीचरों की जान बचा ली। घटना नुवाकोट जिले के बेत्रावती स्थित उत्तरगया पब्लिक स्कूल की है। बुधवार सुबह स्कूल में पढ़ाई शुरू ही हुई थी और हॉस्टल में रहने वाले बच्चे नाश्ता कर रहे थे। तभी एक अज्ञात शख्स स्कूल के पास से तेज आवाज में चिल्लाते हुए गुजरा- 'बड़ी बाढ़ आ रही है, भागो।' उस समय न तो कोई सायरन बजा था और न ही प्रशासन की ओर से कोई चेतावनी मिली थी। लेकिन उसकी आवाज सुनकर टीचर तुरंत सतर्क हो गए और बच्चों को स्कूल के पीछे मौजूद पहाड़ी और जंगल की ओर ले जाने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े बच्चे खुदकर भागे जबकि छोटे बच्चों को शिक्षकों ने संभाला। कई को कीचड़ के बीच उठाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। स्कूल के अंग्रेजी टीचर सोमलाल डंगोल ने बताया कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि बाढ़ इतनी बड़ी हो सकती है। शुरुआत में कई बच्चों को लगा कि नदी का पानी ज्यादा नहीं बढ़ेगा, लेकिन कुछ ही समय में स्थिति भयावह हो गई। कक्षा 10 के छात्र सुजल लामा ने बताया कि वह सुबह की पढ़ाई के बाद नाश्ता करने जा रहा था। अगर वह उस समय भोजन करने चला जाता तो शायद बाढ़ की चपेट में आ जाता। चेतावनी मिलते ही वह जंगल की ओर भागा और पूरी रात वहीं रहा। कक्षा 8 की छात्रा रश्मि तमांग ने बताया कि कुछ बच्चे कीचड़ से ढक गए थे और कई छोटे बच्चे तेजी से नहीं भाग पा रहे थे। टीचरों ने उन्हें किसी तरह ऊपर पहुंचाया। इस दौरान एक दर्दनाक घटना भी हुई। छात्र आयुष तमांग को बचाने स्कूल जा रहे उसके पिता नवराज तमांग रास्ते में बाढ़ के तेज बहाव में बह गए, जबकि आयुष जंगल की ओर भागकर बच गया।

महाठग का गजब कारनामा

सुप्रीम कोर्ट जज के नाम से लगाया न्यायिक अधिकारी को फोन....

नयी दिल्ली।

महाठग सुकेश चंद्रशेखर को दिल्ली की एक अदालत ने आठ साल की सख्त सजा सुनाई है। ये सजा जिस कारनामे के लिए उसे मिली है, उसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, महाठग सुकेश ने सुप्रीम कोर्ट का जज बनकर एक दूसरे आपराधिक मामले में जमानत की कार्यवाही को प्रभावित करने की कोशिश की। इसी केस में उसे दोषी ठहराते हुए दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने ये सजा सुनाई। चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने सुकेश को आईपीसी की धारा 170 के तहत 2 साल की सजा और 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा उसे धारा 189 के तहत दो साल की सख्त सजा और 5,000 रुपये का जुर्माना अलग से लगाया गया। इसके अलावा धारा 507 के तहत उसे 4 साल की सजा सुनाई गई। जज ने इस मामले में 29 अगस्त को ही आदेश सुरक्षित रख लिया था, जो 30 अगस्त को सामने आया। कोर्ट ने आदेश दिया कि तीनों मुख्य सजा एक के बाद एक चलाई जाए। इन तीनों सजाओं को मिलाकर जेल की कुल अवधि आठ साल हो जाएगी। जुर्माना न भरने की स्थिति में चंद्रशेखर को एक महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। कोर्ट ने 20 अगस्त को चंद्रशेखर को आईपीसी की धाराओं 170, 189 और 507 के तहत दोषी ठहराया था। ये धाराएं गलत पहचान बताने और धमकी देने से संबंधित हैं।

सुकेश चंद्रशेखर को 8 साल की सजा

कोर्ट ने सजा सुनाते वक्त क्या कहा

सजा से यह पता चलना चाहिए कि आपराधिक न्याय प्रणाली किसी एक गैर-कानूनी काम और जान-बूझकर किए गए कामों के बीच फर्क करती है। खासतौर पर ऐसे मामले जिनका मकसद सरकारी संस्थानों के कानूनी कामकाज में हेर-फेर करना, डराना-धमकाना या दखल देना होता है।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर पर भड़की कांग्रेस

कहा- कार्रवाई शुद्धिकरण कराने वालों पर होनी चाहिए

भोपाल।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा पर दलितों का अपमान करने और फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाना बनाने का आरोप लगाया। यह प्रतिक्रिया उस समय आई, जब हल्द्वानी में हुए 'शुद्धिकरण' विवाद पर की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। मध्य प्रदेश कांग्रेस नेताओं ने कहा कि गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने के बजाय उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए थी जिन्होंने उस जगह पर शुद्धिकरण अनुष्ठान किया था, जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जनसभा की थी। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि भाजपा ने पहले अनुष्ठान करके दलितों का अपमान किया और फिर जब गांधी ने यह मुद्दा उठाया तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी।उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना दिखाती है कि भाजपा न केवल दलितों का अपमान करती है, बल्कि उनके अधिकारों के लिए लड़ने वालों को परेशान भी करती है। कमलनाथ ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी मजबूती से मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ खड़ी है। देशभर का दलित समुदाय इस अन्याय और अपमान के लिए भाजपा को सबक सिखाएगा।' मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी भाजपा पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाया और इसके बजाय गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया। पटवारी ने कहा, 'संकीर्ण सोच वाली भाजपा ने पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली वाली जगह का 'शुद्धिकरण' करवाया। जब जन-नायक राहुल गांधी ने छुआछूत का यह गंभीर मुद्दा उठाया तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई।' उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना भाजपा-आरएसएस की 'दलित-विरोधी मानसिकता' को दर्शाती है और दावा किया कि पार्टी दलितों और वंचित लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

राजस्थान कांग्रेस ने शुरू किया 'Gen Z For Change' कैंपेन, युवाओं को AI से लेकर करियर तक की मिलेगी ट्रेनिंग

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स विभाग की ओर से आज 'Gen Z For Change' कैंपेन की शुरुआत की गई। अभियान के जरिए प्रदेश के युवा और खासतौर पर Gen Z वोटर्स को पार्टी से जोड़ने की कवायद की जाएगी।

अभियान की शुरुआत के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में विभाग की ओर से Gen Z कमेटी भी जारी की गई। इस कमेटी में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफेशनल युवा शामिल किए गए हैं। इनमें IITian, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और खिलाड़ी शामिल हैं।

कांग्रेस के मुताबिक, 'Gen Z For Change' अभियान को वर्तमान में प्रदेश में चल रहे निकाय एवं पंचायती राज चुनावों से भी जोड़ा जाएगा। इसके तहत Gen Z वोटर्स तक पहुंच बनाने और उन्हें अभियान से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा।

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में होंगे ट्रेनिंग कैंप

अभियान के तहत कांग्रेस के पदाधिकारी प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में जाकर ट्रेनिंग कैंप आयोजित करेंगे। इन कैंपों में छात्रों को AI Tools की उपयोगिता, करियर काउंसलिंग, जॉब प्लेसमेंट और लीगल सपोर्ट सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाएगी।

कांग्रेस का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीक, रोजगार और करियर से जुड़े अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों से जोड़ना है।

अजनबियों से सावधान रहने का बच्चों को दिया संदेश

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता :रामदास तरुण। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सम्पूर्ण राजस्थान में स्कूली छात्रों के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ''-Transformative Tuesday'' के अंतर्गत मंगलवार को विभिन्न विद्यालयों में सितंबर माह के विषय ''अजनबियों से सावधान–मना करो, दूर जाओ, बताओ'' पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

सचिव रेखा यादव एवं सभी न्यायिक अधिकारीगणों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित शिविरों में बच्चों को अजनबी व्यक्तियों से उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों के प्रति जागरूक किया गया।सचिव रेखा यादव ने बताया कि यदि कोई अनजान व्यक्ति बच्चों को अपने साथ चलने, चॉकलेट, खिलौने, पैसे अथवा किसी अन्य प्रकार का लालच देकर बहलाने या फुसलाने का प्रयास करे तो उसके साथ नहीं जाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को ''मना करो, दूर जाओ, बताओ'' का संदेश देते हुए समझाया कि संदिग्ध व्यक्ति या परिस्थिति होने पर सबसे पहले स्पष्ट रूप से मना करें, तत्काल वहां से हटकर सुरक्षित स्थान पर जाएं तथा घटना की जानकारी तुरंत माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को दें।

बच्चों को बताया गया कि अपहरण एवं बहला-फुसलाकर ले जाने की घटनाओं में बाल श्रम, जबरन भीख मंगवाने, बाल तस्करी एवं अन्य प्रकार के शोषण का खतरा हो सकता है। इसलिए किसी भी संदिग्ध घटना को छिपाने के बजाय तुरंत किसी भरोसेमंद व्यक्ति को जानकारी देना आवश्यक है। शिविर में बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी भी दी गई। साथ ही नशे से दूर रहने, शोषण के खिलाफ आवाज उठाने तथा 'गुड टच' और 'बैड टच' के अंतर को समझने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर बच्चों को कोर्ट वाली दीदी सुझाव पेटिका के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सतर्कता, आत्म-सुरक्षा और कानूनी जागरूकता विकसित करना रहा।

न्यूज अपडेट

राजस्थान के मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, आयुक्त आदि के नाम का ज्ञापन

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर जिला कलक्टर,के माध्यम से भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने आज, गांव रातड़ी, पटवार हल्का बाराणी तहसील नागौर एवं जिले में फसल बीमा क्लेम खरीफ 2025 एवं आदान-अनुदान हेतु ज्ञापन दिया।

बीकेयू के जिलाध्यक्ष बताया कि पटवार हल्का बाराणी में फसल खराबा गिरदावरी में 50 प्रतिषत दर्षाया गया था। परन्तु वास्तविक खराबा 90 प्रतिषत था। फिर भी क्रॉप कटिंग में अधिक उत्पादन बताकर किसानों को बीमा क्लेम से वंचित किया गया है। जांच कराकर किसानों को उचित क्लेम दिलाया जाए।

2. आदान-अनुदान राषि खरीफ 2025 किसानों के खाते में जल्द डलवाया जाए। इसी तरह जिले के सभी किसानों के खाते में राषि डाली जाए।

3. इसी प्रकार पूरे नागौर जिले में अनेक गांवों के किसानों ने बीमा कम्पनी के खिलाफ षिकायतें दी है उनकी जांच कर किसानों को वाजिब क्लेम दिया जाए।

4. लम्बे समय से बारिष न होने के कारण उत्पादन में भारी नुकसान हुआ है और फसलें भी लगभग जल गई है। जिसे किसानों ने काटना शुरू कर दिया है ताकि कुछ चारा आदि मिल सके। अतः जल्द से जल्द क्रॉप कटिंग कराई जाए। यदि समय पर क्रॉप कटिंग नहीं होती है तो इसके लिए कम्पनी और प्रषासन जिम्मेदार होंगे न कि किसान।

5. 1 फरवरी 2025 को केन्द्रिय वित मंत्री द्वारा केन्द्रीय बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत ब्याज अनुदान के लिए ऋण राषि की सीमा 3,00,000 लाख से बढ़ाकर 5,00,000 लाख की घोषणा की गई थी। उसको लागू करवाया जाए।

प्रतिलिपि

कृषि मंत्री राजस्थान।
कन्हैयालाल चैधरी, प्रभारी मंत्री नागौर।
सीआर चैधरी, अध्यक्ष किसान आयोग।
मंजू बाघमार, मंत्री राजस्थान।
विजय सिंह चैधरी मंत्री राजस्थान सरकार कृषि आयुक्त राजस्थान।
मुख्य सचिव, राजस्थान।
प्रमुख शासन सचिव, कृषि विभाग।डॉ. ज्योति मिर्धा, पूर्व सासंद, नागौर।
जिला कलक्टर, नागौर।

व्यापार- वाणिज्य

असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए अब तक 7.8 करोड़ लोगों ने दाखिल किया आईटीआर

नई दिल्ली/एजेंसी। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि असेसमेंट ईयर (आकलन वर्ष) 2026-27 के लिए अब तक 7.8 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में आयकर विभाग ने कहा, आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त तक रिकॉर्ड 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। बता दें कि 31 जुलाई की अंतिम तिथि मुख्य रूप से वेतनभोगी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उन व्यक्तियों के लिए थी, जिनकी आय वेतन, मकान, ब्याज या कैपिटल गेन जैसे स्रोतों से होती है। लेकिन जिन व्यक्तियों की आय व्यवसाय (बिजनेस) या पेशे से होती है और जिनके खातों का टैक्स ऑडिट आवश्यक नहीं है, उन्हें रिटर्न दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया था। इस श्रेणी में फ्रीलांसर, कंसल्टेंट, छोटे कारोबारी और कई प्रोफेशनल्स शामिल हैं, जो सामान्यतः आईटीआर-3 या आईटीआर-4 फॉर्म भरते हैं।

इसके अलावा, आईटीआर-3 का इस्तेमाल आम तौर पर ऐसे व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा किया जाता है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से होती है और जो सरल आईटीआर फॉर्म दाखिल करने के पात्र नहीं हैं।

वहीं, आईटीआर-4, जिसे सुगम के नाम से भी जाना जाता है, पात्र निवासी व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों के लिए है। इसमें एलएलपी को शामिल नहीं किया जाता। यह फॉर्म उन करदाताओं के लिए है जो अनुमानित कराधान योजना का विकल्प चुनते हैं।

आईटीआर-5 फर्मों, एलएलपी, व्यक्तियों के संघों (एओपी) और कुछ अन्य संस्थाओं पर लागू होता है, जबकि आईटीआर-7 उन व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा दाखिल किया जाता है, जिन्हें आयकर अधिनियम के कुछ विशेष प्रावधानों के तहत रिटर्न दाखिल करना होता है।

यदि किसी व्यवसाय या पेशे से जुड़े करदाता के खातों का टैक्स ऑडिट अनिवार्य है, तो उनके लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

आमतौर पर अगर किसी व्यक्ति की कर योग्य आय मूल छूट सीमा से अधिक है, तो उसे आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य होता है। नई टैक्स व्यवस्था के तहत 4 लाख रुपए तक की आय पर टैक्स नहीं लगता। वहीं पुरानी टैक्स व्यवस्था में 60 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिए यह सीमा 2.5 लाख रुपए, 60 से 79 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3 लाख रुपए और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के सुपर सीनियर सिटीजन के लिए 5 लाख रुपए है।

हालांकि, कुछ मामलों में आय छूट सीमा से कम होने के बावजूद भी आईटीआर फाइल करना जरूरी होता है। यदि किसी निवासी भारतीय के पास विदेश में कोई संपत्ति है, वह किसी विदेशी संपत्ति का लाभार्थी है, किसी विदेशी बैंक खाते में हस्ताक्षर करने का अधिकार रखता है या विदेश में कोई वित्तीय हित रखता है, तो उसे अनिवार्य रूप से आईटीआर दाखिल करना होगा।

इसके अलावा, यदि किसी व्यक्ति ने वित्तीय वर्ष के दौरान निर्धारित हाई-वैल्यू वित्तीय लेनदेन किए हैं या उसकी कुल आय कटौतियों और छूट (जैसे धारा 80सी से 80यू या धारा 54 आदि) का लाभ लेने से पहले मूल छूट सीमा से अधिक है, तो भी आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य है।

भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सपाट खुला, सेंसेक्स 76,900 के करीब

मुंबई/एजेंसी।

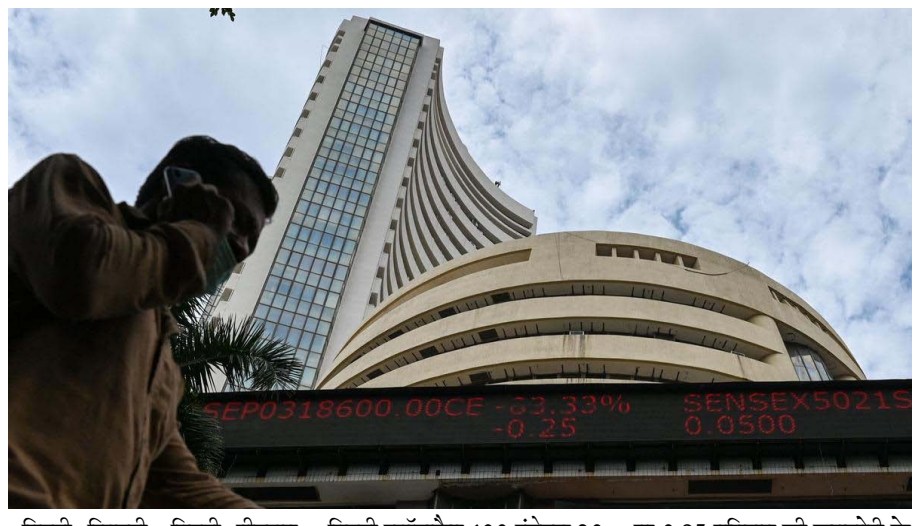

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट खुला। इस दौरान सेंसेक्स 25 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 76,920 और निफ्टी 29 अंक या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,037 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार को सहारा एफएमसीजी, कंजप्शन और मेटल स्टॉक्स से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी मेटल और निफ्टी एफएमसीजी टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑटो हरे निशान में थे।

इसके अलावा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप भी करीब सपाट थे। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 20 अंक या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के कारण 19,910 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 545 अंक या 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,666 पर था। सेंसेक्स पैक में आईटीसी, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एमएंडएम, टेक मिहंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट्स गेनर्स थे। इंडिगो, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इटनरल, टीसीएस, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, बीईएल, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एचयूएल, एनटीपीसी और टाइटन लूजर्स थे। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और सोल लाल निशान में थे, जबकि जकार्ता हरे निशान में था। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे, जिसमें मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था। जानकारों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और यूएस बॉन्ड यील्ड में भारी बढ़ोतरी जैसे वैश्विक दबाव बाजार पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। यूएस में 10-साल के बॉन्ड की यील्ड 4.77 प्रतिशत और 30-साल के बॉन्ड की यील्ड 5.24 प्रतिशत होना इक्विटी बाजार के लिए नकारात्मक है। ऐसे में सुरक्षित यूएस बॉन्ड की ओर पूंजी जा रही है। पिछले दो दिनों में एफआईआई के कैश मार्केट में 13,025 करोड़ रुपए की इक्विटी बेचने से भी इसकी पुष्टि होती है। इस दौरान निफ्टी के 23,000-25,000 की रेंज में कारोबार करने की उम्मीद है।

अब उज्बेकिस्तान में चलेगा यूपीआई, भारतीय आसानी से कर पाएंगे भुगतान

नई दिल्ली/एजेंसी।

मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान में अब यूपीआई चलेगा। इससे भारतीय पर्यटक, कारोबारी और छात्र आसानी से एक क्यूआर के जरिए तत्काल सीमा-पार मर्चेंट भुगतान कर पाएंगे। यह जानकारी सोमवार को वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इसके लिए उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड यूजेडक्यूआर को स्कैन करना होगा।

बयान में कहा गया है कि भारतीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनपीआईएल ने 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली एचयूएमओ का संचालन करने वाले नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग सेंटर जेएससी (एनआईपीसी) के साथ एक वाणिज्यिक समझौता किया। यह यूपीआई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस साझेदारी के तहत भारतीय यात्री यूपीआई ऐप्स के जरिए उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय इंटरऑपरेबल क्यूआर कोड यूजेडक्यूआर को स्कैन कर देशभर में मर्चेंट भुगतान तुरंत कर सकेंगे।

यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान की द्विपक्षीय यात्रा के दौरान की गई। समझौते का क्रियान्वयन भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और उज्बेकिस्तान के केंद्रीय बैंक (सीबीयू) सहित वित्तीय नियामकों से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद हुआ है। सीबीयू ने सीमा-पार मर्चेंट भुगतान स्वीकार करने के लिए एचयूएमओ को एनआईपीएल का अधिकृत साझेदार बनाया है।

सीबीयू के अनिवार्य यूनिफाइड नेशनल क्यूआर ढांचे के साथ एकीकरण के बाद यूपीआई उपयोगकर्ताओं को उज्बेकिस्तान में रिटेल, हॉस्पिटैलिटी और सेवा क्षेत्र के लगभग सभी मर्चेंट्स पर भुगतान की सुविधा मिलेगी।

भारतीय पर्यटक, कारोबारी यात्री और छात्र अपने भारतीय बैंक खातों से सीधे व्यक्ति से मर्चेंट (पी2एम) भुगतान कर सकेंगे। इससे विदेशी मुद्रा पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क की समस्या कम होगी और अंतरराष्ट्रीय कार्ड या नकदी पर निर्भरता भी घटेगी।

यह पहल डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को आगे बढ़ाती है और भारत तथा उज्बेकिस्तान के व्यापक रणनीतिक एवं आर्थिक लक्ष्यों के अनुरूप है। पिछले महीने मालदीव के तत्काल भुगतान सिस्टम 'फवारा' और भारत के यूपीआई के बीच एकीकरण के सफलतापूर्वक शुरू होने की घोषणा हुई थी।

अब तक सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका, कंबोडिया और ग्रीस समेत 10 देशों में यूपीआई शुरू हो चुका है। इससे भारतीय यात्रियों को विदेशों में आसानी से भुगतान करने की सुविधा मिलती है।

शादी का जश्न मनाती 'सिंगल बालाएं'

थोड़ी देर बाद ही उसकी कलीग और फास्ट फ्रैंड शीना का फोन आ गया। उसके साथ शाम को इंग्लिश मूवी और उसके बाद बढ़िया से होटल में डिनर का प्रोग्राम बन गया।

अब मेट्रोज़ में एक नया कल्चर जोर पकड़ रहा है। कई आधुनिक बालाएं वैवाहिक बंधन में विश्वास नहीं रखतीं। उनके लिए शादी पैरों में बेड़ियां डाल देती है। शादी के बाद औरत की अपनी कोई जिन्दगी नहीं रह जाती है, उनकी आजादी छिन जाती है, इसी सोच के चलते वे शादी नहीं करतीं।

कई बार मजबूरी के चलते भी युवतियां शादी नहीं कर पातीं, मसलन दहेज की प्रॉब्लम, परिवार को सपोर्ट करने की बाध्यता या शक्लसूरत से अनाकर्षक होना, बेडौल होना या कोई शारीरिक दोष होना, ऐसे में अब वे अपने को किसी तरह कमतर नहीं आंकती हैं, न अपनी लाइफ में ऊब आने देती हैं।

ये वो आधुनिक बालायें हैं जो अपने लिये भी जीना जानती हैं। इस बात को लेकर उनमें कोई अपराध बोध नहीं पनपता। जी तोड़ मेहनत के बाद कुछ मौजमस्ती वे अपना हक समझती हैं। अब ब्वायफ्रेंड्स से ज्यादा उनकी गर्लफ्रैंड्स की चाहत जोर पकड़ने लगी है।

रेशम और खुशी ऐसी ही सहेलियां हैं जो लेस्बियन की श्रेणी में आती हैं। इन दोनों के बीच दोस्ती इंटरनेट के जरिए से हुई थी। रेशम को शादी के लिए फोर्स किया जा रहा था जिसके लिए वो बिलकुल तैयार न थी। खुशी ने उसे अपने पास मुंबई आने तथा अपनी ही कंपनी में अच्छा सा जॉब दिलाने की पेशकश की।

बगैर देर किए रेशम मुंबई सखी के पास जा पहुंची। कुछ दिन में ही रेशम को खुशी की कंपनी में ही जॉब मिल गया। अब दोनों जिन्दगी का भरपूर लुत्फ उठा रही थीं।

उन्हें एक बार एक कॉमन फ्रैंड से 'लाइक माइंडेड वीमेन' के एक क्लब के बारे में पता चला। उन्होंने वहां जाकर उनकी एक्टिविटीज तथा सदस्यों के बारे में जानकारी हासिल की जहां वे सदस्याएं अपने

बोरियत भरे रूटीन से हटकर कुछ वक्त मौज मस्ती और सैर सपाटे में बिता कर अपने हिस्से की खुशियां जीवन में बटोर कर संतुष्टि महसूस करती थीं। यह आइडिया कोई 'यूनिक आइडिया' न था लेकिन इसे मटीरियलाइज करने का तरीका आधुनिक था।

आज बड़े शहरों में बड़े-बड़े होटल्स, क्लब, रेस्त्रांस आदि 'ओनली विमेन नाइट' ऑर्गेनाइज करते देखे जाते हैं। लड़कियों की दोस्ती को थीम बनाकर अब फिल्में भी बन रही हैं। कहानियां लिखी जा रही हैं याने कि अब यह ट्रेन्ड समाज में खूब चल पड़ा है। 'सिंगल विमेंस क्लब' एक ऐसी अवधारणा है जो महिलाओं में अपनी अस्मिता को लेकर जागरूकता का प्रतीक है।

आज समाज में ऐसी महिलाओं की कमी नहीं जो जीवन में एडवेंचर को आजादी के जश्न का एक हिस्सा मानकर पर्यटन, रोमांच को लेकर अति उत्साहित नजर आती हैं। महिलाओं का एक समूह 'विमेन ऑन वांडर लस्ट' इन्ट्रेस्टेड मेंबर्स को हिमालय से लेकर इजिप्ट तक घुमाने का काम करता है।

एक अलग जिन्दगी की ख्वाहिश लिए वे अपना आसमान, अपनी जमीन ढूंढ रही हैं। वे नये-नये तरीके ढूंढ रही हैं जिन्हें आज़मा कर वे सुख की खोज पूरी कर सकें और आनंदित महसूस कर सकें, बगैर किसी पुछल्ले कमिटमेंट्स के और बगैर किसी अपराध बोध के।

महिलाओं में प्रायः जल्दी ही घुल मिल जाने की कला होती है। वे बहुत जल्दी घनिष्ठता स्थापित कर लेती हैं। वॉन्डर लस्ट ग्रुप की महिलाएं भी साथ घूमने फिरने के बाद अच्छी दोस्त बन कर लौटती हैं। अपने को रिचार्ज कर वे ताजगी अनुभव करती हैं। वे जान चुकी हैं अपने लिये जीना पाप नहीं है। यह उनका अधिकार है।

हजारों की संख्या में ये बालाएं 'सिंगल विमेन क्लब' की मेंबर बनने की कतार में लगी हैं। डांस पार्टी व नाइटलाइफ का आनंद उठाते हुए वे अपनी दबी हुई आकांक्षाओं को साकार करना चाहती हैं।

आजादी का जश्न मनाते चाहे जैसे ये बालायें रहें, चाहे जो करें, लेकिन एक बात उन्हें हमेशा याद रखनी चाहिए कि बैलेंस इज द गोल्डन रूल। सीमाओं का अतिक्रमण उन्हें मुसीबत में डाल देगा और फिर लौट पाना मुश्किल होगा। आजादी बाहरी कम, भीतरी अहसास ज्यादा है। (उर्वशी)

आपके सौंदर्य का राज-आपके बाल

तारा 'राज'

बाल हमारी बाहरी त्वचा का ही एक भाग होता है जो त्वचा की बाहरी परत एपिडर्मिस से बनता है। प्रत्येक बाल त्वचा के भीतर काफी गहराई तक धंसा रहता है। इसके चारों ओर गुफा आकार की एक रचना बन जाती है। इस गुफा को 'रोमकूप' के नाम से जाना जाता है। एक रोमकूम में एक बाल पाया जाता है।

प्रत्येक बाल के दो भाग होते हैं-बाल का जीवित भाग, यानी जड़, दूसरा मृत भाग यानी शैफ्ट। जैसे ही बाल त्वचा से बाहर निकलता है, यह मृत भाग यानी शैफ्ट में बदल जाता है। यही कारण है कि बाल को काटने में हमें दर्द का आभास नहीं होता। हमारे शरीर का प्रत्येक बाल किरोटीन नामक प्रोटीन का बना होता है।

घने लंबे काले बालों की चाह हर नारी में होती है क्योंकि बाल नारी सौंदर्य में चार चांद लगाते हैं। बालों का झड़ना प्रत्येक नारी के लिये चिंता का विषय बन जाता है। बालों की देखभाल करने, उन्हें संवारने तथा सुंदर बनाये रखने के लिये काफी परिश्रम व प्रयास की आवश्यकता होती है। एक ओर काले, घने, लंबे केश नारी सौंदर्य में वृद्धि करते हैं वहीं रूखे, असमय श्वेत होते केशों में नारी न केवल अपनी आयु से बड़ी लगने लगती है बल्कि उसका सारा सौंदर्य व आकर्षण समाप्त हो जाता है।

बाल क्यों झड़ने लगते हैं?

सिर में लगभग 1.5 लाख बाल होते हैं तथा प्रत्येक बाल एक महीने में 2 से 3 इंच बढ़ जाता है। एक बाल की कुल आयु तीन वर्ष होती है तथा अवधि पूरी करने के बाद अपनी जड़ सहित झड़ जाता है। एक बाल के झड़ते ही रोमकूप में नया बाल आ जाता है।

वैसे बालों का पैदा होना और झड़ना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। एक दिन में 40 से 50 बाल झड़ जाना मामूली बात है। इतने बालों का प्रतिदिन झड़ना स्वाभाविक प्रक्रिया है और कोई बीमारी तथा चिंता का विषय नहीं है। यदि बाल इनसे अधिक संख्या में और गुच्छे के रूप में टूटें तो अवश्य चिन्ता का विषय है और बालों की बीमारी और गंजेपन की ओर ले जाने का द्योतक है।

बाल झड़ने के कारणों में वंश परंपरा से लेकर वातावरण तथा कुपोषण से लेकर संक्रमण तक सभी कारण शामिल किये जा सकते हैं। वैसे तेजी से बाल झड़ने तथा गंजापन पैदा होने के लिये निम्न में से एक कारण हो सकता है-

1. हारमोनल कमी 2. आनुवंशिकता 3. कुपोषण 4. खुश्की 5. सिर में गंदगी 6. बीमारी 7. चिंता व तनाव 8. वातावरण

बालों को सुंदर बनाने के लिये क्या करें?

सिर की सफाई रखें:-

बालों की सफाई बालों को झड़ने से रोकने के लिये महत्त्वपूर्ण है। धूल, रेत के कण पसीने के साथ मिलकर रोमकूपों को बंद कर देते हैं। रोमकूप बंद हो जाने से बालों की जड़ों तक ताजी व शुद्ध वायु नहीं पहुंच पाती है तथा पसीना भी बाहर नहीं निकल पाता। सिर की सफाई के लिये नियमित रूप से बालों की धुलाई व सफाई नितांत आवश्यक है। घटिया साबुन, कास्टिक सोडा युक्त साबुन तथा सस्ते शैंपू का प्रयोग कदापि न करें नहीं तो लाभ के स्थान पर हानि की संभावना है।

उचित शैंपू का प्रयोग करें:-

यह जरूरी नहीं कि बाजार में बिकने वाला प्रत्येक शैंपू आपके बालों के लिये हितकारी ही हो। रूखे या तैलीय बालों को अलग अलग प्रकार के शैंपूओं से धोना चाहिए। शैंपू अच्छी क्वालिटी का होना चाहिये। शैंपू का प्रयोग करने से पहले बालों को अच्छी तरह गीला लेना चाहिए। इसके बाद थोड़ा सा शैंपू हथेली में लेकर बालों में हल्के हल्के मलना चाहिये। उंगलियां से धीरे धीरे बालों की जड़ों में शैंपू की मालिश करनी चाहिये। कंडीशनर लगाते समय ऐसे कंडीशनर को ही बालों की जड़ों में लगायें जो आपके बालों के अनुकूल हो।

अपना कंघा अलग रखें:-

बालों में छूत का रोग कंघे द्वारा ही एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है। इसके लिये जरूरी है कि आप सदैव अपने कंघे का ही प्रयोग करें। न कभी अपना कंघा दूसरे को दें तथा न दूसरे का कंघा स्वयं प्रयोग में लायें। इससे बालों की बीमारी का संक्रमण नहीं हो पायेगा। कंघी करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि न तो आपके बाल अधिक गीले हों और न अधिक सूखे। दोनों स्थितियों में कंघी करने से बाल अधिक टूटते हैं। कंघा चौड़े दांतों वाला तथा चिकना हो तो अच्छा है।

चिंता व तनाव से दूर रहें:-

चिंता व तनाव भी बालों के झड़ने का मुख्य कारण है। जहां तक हो, चिंता व तनाव से बचने का प्रयास करना चहिये। योगासन तथा व्यायाम से चिंता विमुक्त रहने में काफी सहायता मिलती है।

बालों को स्वाभाविक रूप से सुखायें:-

बालों को सुखाने के लिये कपड़े से रगड़ना तथा झटके देना बालों के लिये घातक होता है। बालों को मोटे रोयेदार तौलिया से सुखायें और फिर बालों को अपने आप सूखने दें।

भोजन में उच्च प्रोटीन युक्त भोजन लें:-

बालों के निर्माण में प्रोटीन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है तथा बालों की रक्षा के लिये भी प्रोटीन युक्त पदार्थ खाने से आशातीत लाभ होता है। बालों की रक्षा के लिये दाल, अंडे व दूध का नियमितता से प्रयोग करना चाहिये। इसके अलावा फलों तथा हरी सब्जियों का नियमित प्रयोग कर खनिज लवणों तथा विटामिनों की आपूर्ति की जा सकती है। अन्य सभी सावधानियों के साथ संतुलित आहार बालों को स्वस्थ व चमकीला बनाने के लिये परम आवश्यक है।

यदि आप उपर्युक्त सुझावों को ध्यान में रखकर अपने बालों की देखभाल करेंगी तो आपके बाल निश्चित ही लंबे समय तक आपके चेहरे पर रौनक बढ़ाते रहेंगे तथा आपका सौंदर्य चिरस्थाई बना रह सकेगा। (उर्वशी)

बच्चों को सभ्यता भी सिखाइए

'आ गई चुड़ैल' एक किशोर ने अपनी मां के लिए ये अल्फाज़ बोले। अविश्वसनीय लगता है। केतन अपनी मां से इस तरह बात करता है, रीना ने एक दिन मुझे बताया। रीना मेरी प्रिय सखी है। वह एक सुलझी हुई उसूलों वाली महिला है। कभी न झूठ बोलती है, न किसी की व्यक्तिगत रूप से आलोचना करती है लेकिन गलत बातों के प्रति हर बुद्धिजीवी की तरह उसमें भी आक्रोश है।

केतन की मां चूंकि दिखने में काफी बदसूरत है और वह स्वयं दिखने में सुंदर है, इसलिए उसने ये अल्फाज़ उनसे कहे। वैसे तो हर मां को अपना बच्चा प्यारा लगता है लेकिन मिसेज सक्सेना यानी केतन की मां उस पर ज्यादा ही लाड़ प्यार बरसाती है। नतीजन केतन बिल्कुल बिगड़ गया है। किसी को भी जो मुंह में आता है, बोलता है।

मिसेज दीक्षित अपनी बेटी शिखा को लेकर परेशान हैं। एक दिन तो सहेलियों के बीच वे शिखा की बात करते रो पड़ीं। भई पुण्य किये होते हैं उन्होंने जिनकी संतान आज्ञाकारी और अच्छी होती है। मेरे किसी पाप का फल है यह लड़की। मेरे साथ सौत जैसा बरताव करती है। मुझे अच्छा पहने ओढे.खाते-पीते नहीं देख सकती। चाहती है पापा सिर्फ उसी से हंसें, बोलें। मुझसे अगर वे बात करते हैं तो उसे ईर्ष्या होती है। घर के काम में जरा भी हाथ नहीं बंटाती। जो भी काम बताऊं, झट कह देती है मुझसे नहीं होगा। मुझे सहेली के यहां जाना है। ब्यूटी पार्लर जाना है, शापिंग या डेटिंग पर जाना है।

अपने उद्दंड असभ्य व्यवहार के लिए क्या पूर्णतः बच्चे ही दोषी हैं? आंशिक रूप से यह जीन्स का खेल है वर्ना क्यों एक ही घर में एक वातावरण में पले बढ़े बच्चों में एक परोपकारी और दूसरा स्वार्थी स्वभाव वाला होता है लेकिन संस्कारों का भी अपना महत्व है बच्चे के विकास में। अच्छी शिक्षा, उचित लाड-प्यार, अनुशासन व थोड़ी सजा बच्चे के व्यक्तित्व के विकास के लिये जरूरी है।

कई बार मां-बाप बच्चों को ऐशो आराम की चीजें, अच्छा खाना पहनना देकर नामी बोर्डिंग स्कूलों में भर्ती कराकर ही अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं। बच्चे क्या सोचते हैं, उनका फ्रेंड सर्कल कैसा है, वे कहां क्या करते हैं, इन सबसे वे बेखबर रहते हैं।

बच्चों पर इस उपेक्षा का गलत असर पड़ता है। वे अपरिपक्व होते हैं। अच्छा-बुरा समझने की उनकी

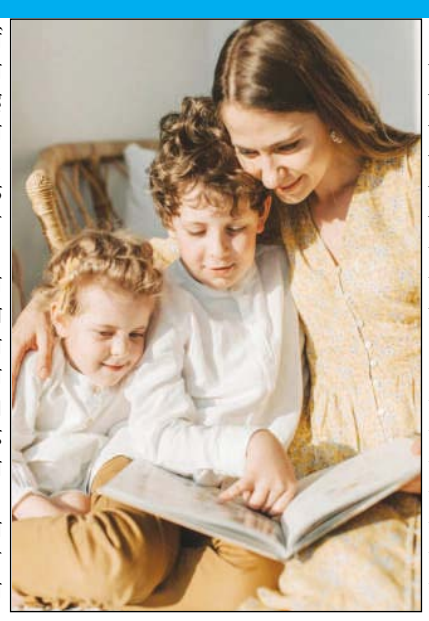

अभी उम्र नहीं होती। ऐसे में वे गलत बातें जल्दी अपना लेते हैं। बच्चे तो कच्ची माटी की तरह होते हैं। उन्हें चाहे जिस शक्ल में ढालने की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा मां-बाप की होती है। उसमें भी यह दायित्व पिता से ज्यादा मां का होता हैं क्योंकि पिता ज्यादातर बाहर रहते हैं।

बच्चों को उनकी कमियों व गलत बातों के लिये सहानुभूतिपूर्ण तरीके से समझाना चाहिए। क्रोधित होकर डांटना फटकारना, मारना पीटना उन्हें विद्रोही बना सकता है। एक दिन की बात है, दुकान पर कुछ सामान खरीदते हुए मैंने देखा कि सात आठ साल का बच्चा किसी महंगी चॉकलेट को खरीदने की जिद कर रहा था। पिता ने गुस्से में वहीं पर चार लोगों के सामने बच्चे के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। अब इस तरह का व्यवहार करने पर बच्चे से कितनी सभ्यता की उम्मीद की जा सकती है। मां-बाप स्वयं असभ्यतापूर्ण व्यवहार करेंगे तो बच्चे क्या सीखेंगे?

घर आये मेहमानों को आदर से बिठाना, अगर धूप में आये हैं तो उन्हें आते ही कम से कम पानी जरूर पिलाना, बड़े बुजुर्गों की मदद करना, उनकी बूढ़ी काया की हंसी नहीं उड़ाना, ये सब मामूली बातें हैं लेकिन कितनी अहम् हैं। बच्चे में इंसानियत का जज़्बा हो तो वह कोई भी ऐसा काम नहीं करेगा जिससे आपको कभी भी शर्मिन्दगी उठानी पड़े।

संपूर्ण या आदर्श होना मनुष्य के लिये एक असंभव सी बात है लेकिन आदर्श को सामने रखकर उस तक पहुंचने की पुरजोर कोशिश तो की जा सकती है। जरूरी नहीं कि सभ्यता अमीर घरों में ही देखने को मिले। गरीब असभ्य गंवार ही हों, ऐसा नहीं है। ऊपरी मुलम्मा अगर चढ़ायेंगे तो उसे उतरते देर नहीं लगती।

'धन्यवाद', 'माफ करना', 'मेहरबानी करके' सिर्फ ये शब्द बोल लेने से ही कोई बच्चा सभ्य नहीं बन जाता। सभ्य बनता है वह अपने आचरण से, अपने कार्यों से, अपनी अच्छाई व नेकदिली से। अच्छे संस्कार ही वह आंतरिक सभ्यता है जिसे हमें अपने बच्चों में कूट-कूट कर भरना है। तब न सिर्फ वे मिलने वालों का मन मोह लेंगे और उन्हें अपना बना लेंगे बल्कि जीवन पथ पर आसानी से बगैर किसी से झगड़ा मनमुटाव किये अग्रसर होते रहेंगे। (उर्वशी)

हिन्दी हमारी आत्मा की आवाज़

क्या है हिन्दी?
अस्थियों से निकलती
आवाज़ है हिन्दी।
रगों से निकलती आग है
हिन्दी।
क्या है हिन्दी?
चट्टान की लकीर है
हिन्दी।
पाने की लड़ाई है हिन्दी।
क्या है हिन्दी?
क्या ये कोई विडंबना
नहीं,
हम लड़ाई करे अपनही
भाषा की।

क्या है हिन्दी?
जनता की बोली है
हिन्दी।
यमुना से निकलती धार
है हिन्दी।
क्या है हिन्दी?
अंग्रेजों की मार है हिन्दी।
बादलों से निकलती
दहाड़ है हिन्दी।
क्या है हिन्दी?
अब भी नहीं समझे क्या है
हिन्दी,
अपनी भाषा अपनी
बोली।
समस्या का समाधान है
हिन्दी।
परिभाषा का मान है
हिन्दी।
क्या है हिन्दी?

पलक रुंगटा
दिल्ली पब्लिक स्कूल
हावड़ा

न बनें सैक्स में मतलबी

उषा जैन 'शीरीं'

सना जब ऑफिस आई तो उसका मूड काफी उखड़ा सा लग रहा था जैसे-तैसे वो लंच ब्रेक तक आधे अधूरे मन से काम करती रही। सिम्मी ने जब उससे टिफिन शेयर करते हुए मूड ऑफ होने का कारण पूछा वे अपना गुबार निकालते हुए बोली, 'ये सारे मर्द एक जैसे ही होते हैं। सेल्फिश ब्रूट्स, सिर्फ अपना सुख देखते हैं। प्यार से पुकारने के बजाय हुक्म चलाते हैं हमारे साहब। बीवी न हुई जरखरीद गुलाम हो गई। उनकी इच्छा ही सर्वोपरि है। मेरे मूड या तकलीफ से उन्हें कोई सरोकार नहीं।

ठीक कह रही हो। रीतेश का भी यही रवैय्या है। उन्हें मेरी संतुष्टि से सरोकार नहीं। अपना स्वार्थ पूरा होते ही दूसरी तरफ करवट लेकर मिनटों में खर्राटे भरने लगेंगे। मेरी ननद रिया मुझसे अपने पति की हर बात शेयर कर लेती है। पिछली बार आई तो बता रही थी, एक बार उसने जब पहल करने की कोशिश की तो पति राजेश ने उसे इतना शर्मिंदा किया कि वो आगे से कभी अपनी इच्छा व्यक्त न करे। उन्होंने उसे यहां तक कह डाला कि ऐसी हरकतें वेश्याएं करती हैं।

सिर्फ औरतों को ही सैक्स में पति के सेल्फिश होने की शिकायत नहीं होती। पुरूषों को भी कई बार पत्नियों से यही शिकायत होती है जैसे कि मोहित को अपनी पत्नी निशिता से है। वो जब अपने दोस्तों को चटखारे लेकर रात के किस्से सुनाते हुए देखता है, उसके दिल में चुभन होती है काश, मेरी पत्नी इतनी खुदगर्ज न होती। जब अपना मूड होगा तो कोऑपरेट करेगी नहीं तो झिड़क देगी, कहेगी कि तुम्हें तो सैक्स के सिवा कुछ और सूझता नहीं। कभी कह देगी, 'मूड नहीं है।'

आखिर पति-पत्नी क्यों एक दूसरे पर सैक्स के मामले में स्वार्थी, मतलबी होने का इल्जाम लगाते हैं।

सैक्स मशीनी क्रिया नहीं -

सैक्स मानवीय एवं संवेदनशील भावनात्मक तरंगें हैं जो अलग-अलग समय पर पति-पत्नी के मन में उठ सकती हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि साथी की इच्छा का बिना किसी ठोस कारण के मान न रखा जाए। यह प्रेम प्रदर्शन का जरिया है। प्रेम प्रदर्शन में कोताही कैसी, आनाकानी कैसी।

जिन कपल्स की सैक्स लाइफ संतृप्त व संतुष्ट होती है, वो उनके चेहरे पर दिखती है। एक ग्लो होता है उनके चेहरे पर। वे कम ही तनावग्रस्त मिलेंगे।

लव गेम है सैक्स -

यहां पर गेम में हार जीत नहीं होती बल्कि समान पार्टिसिपेशन और एंजायमेंट होता है। कामकला भी 'आर्ट ऑफ लिविंग' का एक भाग है जिसमें एक्सपर्ट पति पत्नी एक दूसरे को संतुष्ट रखते हैं। उनके बीच प्रेम की गंगा बहती है। पारिवारिक जीवन में भी वे एक स्टडी के अनुसार ज्यादा सफल देखे गये हैं।

जीवन की जद्दोजहद में यहां कदम कदम पर कोई न कोई समस्या मुंह उठाये रहती है। भावनात्मक रूप से जुड़े पति पत्नी उनका हल बेहतर तरीके से सुलझाने में सक्षम रहते हैं क्योंकि उनका मोराल हाई रहता है। उन्हें एक दूसरे पर भरोसा रहता है।

सैक्स विवाह का आधार स्तंभ है। यौनसुख विवाह को सफल बनाने में अहम है। विवाह शारीरिक भूख मिटाने का एक लाइसेंस्ड जरिया है। संतानोत्पत्ति के लिये सदियों से चली आ रही एक सामाजिक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था है।

ऊर्जा का स्रोत - मैडिकली भी यह माना गया है कि सैक्स तन-मन को स्वस्थ रखता है। इसके अभाव में व्यक्ति को शरीर और मन की बीमारियां घेर सकती हैं क्योंकि कुदरत ने उनकी संरचना इसी प्रकार की है।

संतुष्टिपूर्ण सैक्स ऊष्मा और ताज़गी देकर दिन भर की थकान और मानसिक तनाव से राहत दिलाता है। जीवन में उत्साह पैदा कर एक आकर्षण बनाये रखता है। पति पत्नी को उन्मुक्त होकर सैक्स एंजॉय करना चाहिए, परस्पर एक दूसरे के सुख को भी तरजीह देते हुए।

अपनाएं मनोवैज्ञानिक अप्रोच

किसी भी कार्य में सफलता तभी मिलती है जब आपको उसके बारे में अच्छी जानकारी हो, उसे हर एंगल से समझते हों। यही बात यहां पर भी लागू होती है। सैक्स में सफलता के लिए उसके बारे में मनोवैज्ञानिक सोच की अहमियत को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

कुछ ही समय में एक दूसरे के मन को समझा जा सकता है। असमंजस की स्थिति में अच्छा हो खुलकर बात करें। स्पर्श की महत्ता को समझें। प्रिय को कैसे स्पर्श लुभाता या उत्तेजित करता है, इसकी जानकारी रखें। उन्हें वही सुख दें जो वो एंजॉय करते हों।

तब एक दूसरे से उन्हें यह शिकायत नहीं रहेगी कि वे मतलबी हैं या सिर्फ अपना ही सुख देखने वाले या वाली है। जहां म्युचअल इन्ट्रस्ट हो, वहां तालमेल आसान रहता है। कोई किसी को क्यों एक्सप्लॉयट करे। इकतरफा मजा अधूरा रहता है। संपूर्ण सुख के लिये दोनों की भागीदारी बराबर की होनी चाहिए। (उर्वशी)

रेसिपी कार्नर

मावा लड्डू

शारदीय नवरात्रि 2025 का आरंभ होने वाला है। इस वर्ष नवरात्रि 22 सितंबर 2025 से शुरू हो रही है, जिसका समापन 1 अक्तूबर 2025 को महानवमी तिथि पर होगा। नवरात्रि के नौ दिन देवी के उपासना होती है और भक्त उपवास करते हैं। नवरात्रि उपवास में फलाहार किया जाता है। नौ दिन व्रत करने वालों के लिए ऊर्जावान बने रहना भी जरूरी होता है।
शारदीय नवरात्रि का पावन समय न केवल उपवास और भक्ति का होता है, बल्कि यह स्वादिष्ट और सेहतमंद व्यंजनों का भी अवसर होता है। उपवास में अक्सर हल्का और पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में मावा के लड्डू सबसे बेहतरीन विकल्प माने जाते हैं। यह न सिर्फ स्वादिष्ट होते हैं बल्कि लंबे समय तक स्टोर किए जा सकते हैं। खास बात यह है कि ये लड्डू पेट को भरा रखते हैं और शरीर को आवश्यक पोषण भी प्रदान करते हैं।

मावा के लड्डू बनाने के लिए सामग्री

500 ग्राम मावा (खोया)
200 ग्राम पिसी हुई शक्कर
दो बड़े चम्मच घी
इलायची पाउडर
ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, किशमिश)

मावा का लड्डू बनाने की विधि

स्टेप 1- सबसे पहले कड़ाही में मावा डालकर हल्की आंच पर आठ से 10 मिनट तक भूनें जब तक इसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए।

स्टेप 2- इसमें इलायची पाउडर और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

स्टेप 3- मिश्रण ठंडा होने पर इसमें पिसी हुई शक्कर डालें और हाथ से अच्छे से गूंध लें।

स्टेप 4- अब हाथ में घी लगाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

स्टेप 5- एयरटाइट डिब्बे में भरकर रखें। मावा के लड्डू को 10 से 12 दिन तक आराम से स्टोर किए जा सकते हैं।

ये लड्डू खासतौर पर उपवास में ऊर्जा देने वाले होते हैं और बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी के लिए स्वास्थ्यवर्धक हैं।

‘ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूस्डे’ अभियान के तहत विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। प्रदेशव्यापी फ्लैगशिप कार्यक्रम ‘ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूस्डे’ के तहत मंगलवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में न्यायिक अधिकारियों द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों को ‘अजनबी से सावधान- मना करो, दूर जाओ, बताओ (स्ट्रेंजर डेंजर-नो, गो, टैल)’ विषय पर बाल सुरक्षा एवं कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई।

मुख्य कार्यक्रम पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सिविल लाइन्स, हरिपुरा रोड दौसा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष केशव कौशिक ने विद्यार्थियों को अजनबियों से सावधान रहने तथा किसी अनजान व्यक्ति द्वारा परिचित होने का दावा करने, चॉकलेट, पैसे या उपहार का लालच देने अथवा कहीं साथ चलने के लिए कहने जैसी परिस्थितियों में सतर्क रहने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि असुरक्षित स्थिति में बच्चों को स्पष्ट रूप से ‘नहीं’ कहना, वहां से हटकर सुरक्षित स्थान पर जाना और माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को तुरंत बताना चाहिए। उन्होंने बच्चों को बाल श्रम, जबरन भीख मंगवाने, बाल तस्करी, फिरौती एवं अन्य प्रकार के शोषण से बचाव के बारे में भी जागरूक किया।

न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और मैसेजिंग एप के माध्यम से होने वाली संदिग्ध ऑनलाइन दोस्ती से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन पहचान हमेशा वास्तविक नहीं होती, इसलिए किसी अनजान ऑनलाइन व्यक्ति से अकेले मिलने से बचना चाहिए।

हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सहायता 112, पुलिस सहायता 100, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन 1930 तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन 15100 की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विद्यालय में स्थापित ‘कोर्ट वाली दीदी’ सुझाव एवं शिकायत पेटिका के माध्यम से अपनी शिकायत या समस्या गोपनीय रूप से दर्ज कराने के लिए भी प्रेरित किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दौसा द्वारा बच्चों एवं उनके अभिभावकों को निःशुल्क विधिक सहायता, परामर्श एवं आवश्यक कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य लेखराम सैनी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

थिंक बिफोर यू क्लिक अभियान की शुरुआत

चमकता राजस्थान/जयपुर। साईनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट और सद्भावना के सिपाही संगठन ने बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के प्रति जागरूकता के लिए आज ‘थिंक बिफोर यू क्लिक’ अभियान शुरू किया।

इस अवसर पर दोनों संस्थाओं के प्रमुख, समाजसेवी व उद्योगपति राजीव अरोड़ा ने कहा कि आज प्रतिदिन हमारे मित्र, परिजन और रिश्तेदार ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार होकर वित्तीय नुकसान उठा रहे हैं। इसके पीछे हमारी मानवीय जिज्ञासा है, जिसका आधुनिक ठग फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा कि हर नई चीज को जल्दी पाने की प्रवृत्ति के कारण लोग सोशल मीडिया पर आने वाले हर मैसेज, फाइल और लिंक पर बिना जांचे क्लिक कर देते हैं और धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। इस अभियान का उद्देश्य इसी आदत में बदलाव लाना है। हर मैसेज, फाइल और लिंक को पहले जांचें, भेजने वाले से बात करें और सत्यता प्रमाणित होने पर ही क्लिक करें। राजीव अरोड़ा ने कहा कि यह छोटी सी लेकिन बेहद जरूरी आदत न केवल हमारी जीवनभर की कमाई को सुरक्षित रखेगी, बल्कि पुलिस और प्रशासन की अनावशयक परेशानी भी कम करेगी।

भामाशाह चुन्नीलाल चौधरी ने विद्यार्थियों को टाई-बेल्ट वितरित किए

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गुड़ा रूपसिंह में भामाशाह चुन्नीलाल पुत्र खंगार चौधरी द्वारा विद्यार्थियों के सहयोग के लिए टाई एवं बेल्ट वितरित किए गए। इससे पूर्व भी भामाशाह द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों के आई-कार्ड बनवाए गए थे। इस अवसर पर ढएएड नरेंद्र सिंह, प्रधानाध्यापक फोरन्ती मीणा, अध्यापक राजेंद्र कुमार, महेंद्र मेघवाल, रामपाल, भामाशाह चुन्नीलाल की धर्मपत्नी भंवरी देवी तथा सुखी देवी धर्मपत्नी पेमाराम सहित अन्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे सहयोग के लिए भामाशाह चुन्नीलाल एवं उनके परिवार का तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

वार्ड नंबर 38 से आसिफ खान निर्विरोध निर्वाचित

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। बासनी। नागौर नगर पालिका क्षेत्र के ढकोसी वार्ड नंबर 38 से आसिफ खान निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्विरोध निर्वाचन के बाद आसिफ खान ने वार्डवासियों का दिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वार्डवासियों के विश्वास, सहयोग और आशीर्वाद के कारण उन्हें यह सफलता मिली है। आसिफ खान ने कहा कि यह जीत सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि पूरे वार्ड की एकता, विश्वास और भाईचारे की जीत है। उन्होंने वार्ड के प्रत्येक नागरिक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्डवासियों ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए सभी वार्डवासियों को साथ लेकर चलेंगे। निर्विरोध निर्वाचन पर वार्डवासियों ने भी खुशी जताई और आसिफ खान को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अबरार व दोस्तो ने माला व साफा पहनाकर खुशी जताई

सचिन पायलट ने बाड़मेर में वीरेंद्र धाम में छात्रों के साथ नाश्ता कर छात्रों से किया संवाद

चमकता राजस्थान

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को बाड़मेर दौरे के दौरान ‘वीरेंद्र धाम’ पहुंचकर विद्यार्थियों से मुलाकात की,पायलट ने धाम परिसर में रह रहे छात्रों के साथ सुबह का नाश्ता किया और उनसे संवाद करते हुए उनके अध्ययन और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली।

छात्रों की शिक्षा को समर्पित है वीरेंद्र धाम।

वीरेंद्र धाम का निर्माण पूर्व मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता हेमाराम चौधरी ने अपने दिवंगत पुत्र स्व. वीरेंद्र चौधरी की पावन स्मृति में कराया है। यह धाम बाड़मेर में ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए आवास, अध्ययन और मार्गदर्शन का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

इस दौरान कांग्रेस वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी ,मध्यप्रदेश प्रभारी एवं विधायक हरीश चौधरी, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल मौजूद रहे।

संवाद के दौरान सचिन पायलट ने विद्यार्थियों को लगन से पढ़ाई करने और समाज व देश के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पायलट ने वीरेंद्र धाम द्वारा क्षेत्र के युवाओं के लिए किए जा रहे सामाजिक व शैक्षणिक प्रयासों की सराहना की।

रामदेवरा पैदल यात्रियों के लिए खारड़ा में निःशुल्क चाय-पानी की व्यवस्था

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ जीवन्द कलां। बाबा रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा के लिए खारड़ा गांव में ग्रामीणों की ओर से सराहनीय पहल की जा रही है। पैदल यात्रियों की सुविधा को देखते हुए समस्त ग्रामवासी खारड़ा की तरफ से निःशुल्क चाय-पानी की व्यवस्था की गई है। रामदेवरा यात्रा पर निकलने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें कुछ समय विश्राम के साथ चाय-पानी उपलब्ध हो सके, इसके लिए यह सेवा शुरू की गई है। इस निःशुल्क सेवा का संचालन नगाराम भटनागर, खारड़ा द्वारा किया जा रहा है। ग्रामवासियों के सहयोग से यात्रियों के लिए चाय-पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बाबा रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इस दौरान यात्रियों का स्वागत करते हुए उन्हें आवशयक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। खारड़ा के ग्रामीणों की यह सेवा श्रद्धालुओं के लिए राहत के साथ-साथ सामाजिक सेवा और भाईचारे की मिसाल पेश कर रही है।

वार्ड 90 में भाजपा प्रत्याशी सरोज कंवर के चुनाव कार्यालय का आज उद्घाटन

चमकता राजस्थान

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर वार्ड 90 में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती सरोज कंवर, धर्मपत्नी रणजीत सिंह सोडाला के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन आज 2 सितंबर 2026 को किया जाएगा।

चुनाव कार्यालय का उद्घाटन प्रातः 11:00 बजे श्याम नगर, जनपथ में होगा। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता,समर्थक एवं क्षेत्रवासि उपस्थित रहेंगे। कार्यालय उद्घाटन के साथ ही वार्ड 90 में भाजपा प्रत्याशी के चुनावी अभियान को गति मिलने की उम्मीद है। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं।

- स्थानः श्याम नगर, जनपथ
- दिनांकः 2 सितंबर 2026
- समयः प्रातः 11:00 बजे

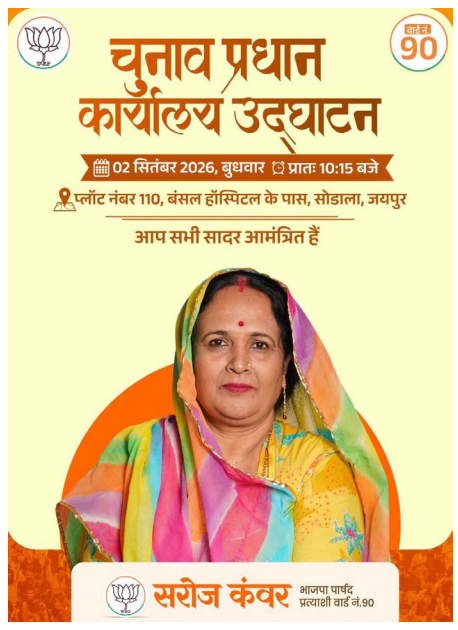

रामदेवरा पैदल यात्रियों के लिए खारड़ा में निःशुल्क चाय-पानी की व्यवस्था

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुढ़लिया के गोला मीना बालाजी मंदिर से पपलाज माता के लिए पद यात्रा मंगलवार सुबह गाजे बाजे के साथ रवाना किया गया, बालाजी मंदिर मे सुबह वैदिक मन्त्रोंचार के साथ पूजा अर्चना के साथ पदयात्रा को रवाना किया गया, जो की गांव के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी, यात्रा मे शामिल महिलाओ ने नृत्य किया व भजन गाते हुए एवं पुरुष हाथो मे ध्वज लेकर पपलाज माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, भक्ति संगीत की धुनो से वातावरण भक्तिमय हो गया, यात्रा का जगह जगह पर पुष्प वर्षा कर व मीठा पानी पिलाकर स्वागत किया गया, इससे पहले गुढ़लिया प्रशासक सीमा मीना, पूर्व मंडल अध्यक्ष चतर सिंह रत्नावत, पुष्पेंद्र सिंह , समाजसेवी हजारीलाल मीना ने यात्रा को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया, पूर्व मंडल अध्यक्ष चतर सिंह रत्नावत ने कहा की धार्मिक यात्राओं से समरसता बढ़ती है, ऐसे कार्यक्रमों से लोगो मे सामाजिक समरसता के साथ धार्मिक आस्था को बढ़ावा देती है, यात्रा मे माताजी की झांकी भी सजाई गई, इस मौके सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे,

बांदीकुई गाजे बाजे के साथ रवाना हुई पपलाज माता की पदयात्रा

न्यायिक व्यवस्था की स्वतंत्रता और निष्पक्ष न्याय के लिए हाईकोर्ट बार की मांगों के समर्थन में जिला अधिवक्ता संघ नागौर का कार्य बहिष्कार 6 सितंबर तक जारी रहेगा

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। राजस्थान उच्च न्यायालय में उत्पन्न परिस्थितियों तथा न्यायिक व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन एवं राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन, जोधपुर द्वारा किए जा रहे आंदोलन एवं उनकी मांगों के समर्थन में जिला अधिवक्ता संघ, नागौर द्वारा न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया जा रहा है। यह कार्य बहिष्कार आज भी जारी रहा तथा दिनांक 06 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा।

जिला अधिवक्ता संघ नागौर के अध्यक्ष डॉ. पवन श्रीमाली, एडवोकेट ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि न्यायिक संस्थाओं की गरिमा, निष्पक्षता, स्वतंत्रता, पारदर्शिता तथा आम नागरिक का न्यायपालिका में विश्वास बनाए रखने के उद्देश्य से है। हाईकोर्ट की दोनों बार एसोसिएशनों की संयुक्त बैठक में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यों से विरत रखने, राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति तथा संपूर्ण राजस्थान में लागू टार्गेटेड फाइल सिस्टम को तत्काल बंद करने सहित तीन प्रमुख मांगें रखी गई हैं। डॉ. श्रीमाली ने कहा कि विशेष रूप से टार्गेटेड फाइल सिस्टम को लेकर प्रदेश के अधिवक्ताओं में गंभीर चिंता है।

पुराने प्रकरणों को निर्धारित लक्ष्य के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के दबाव से न्यायालयों के साथ-साथ अधिवक्ताओं पर भी अनावशयक दबाव बढ़ रहा है। न्याय केवल प्रकरण का निस्तारण नहीं है, बल्कि प्रत्येक पक्ष को अपना पक्ष रखने, आवशयक साक्ष्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने और विधि के अनुसार समुचित अवसर मिलने के बाद न्यायपूर्ण निर्णय तक पहुंचने की प्रक्रिया है। न्याय में अनावशयक विलंब उचित नहीं है, लेकिन केवल लक्ष्य पूरा करने की जल्दबाजी में न्याय की गुणवत्ता और पक्षकारों को मिलने वाले उचित अवसर से समझौता भी नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट की संयुक्त बैठक में भी टार्गेटेड फाइल सिस्टम के कारण अधिवक्ताओं के कार्य-जीवन संतुलन पर प्रभाव तथा बार सदस्यों में असंतोष और कठिनाइयां उत्पन्न होने की बात रखी गई है। उन्होंने कहा कि बार और बेंच न्याय व्यवस्था के दो अभिन्न अंग हैं और दोनों का उद्देश्य आम व्यक्ति को निष्पक्ष एवं प्रभावी न्याय दिलाना है। इसलिए जिला अधिवक्ता संघ नागौर हाईकोर्ट बार की न्यायोचित मांगों के समर्थन में है और 06 सितंबर 2026 तक न्यायिक कार्यों से विरत रहेगा। इस दौरान न्यायालयों से भी अपेक्षा है कि अधिवक्ताओं के कार्य बहिष्कार को देखते हुए उनके पक्षकारों के विरुद्ध अनुपस्थिति के कारण कोई प्रतिकूल आदेश पारित न कर सहयोग प्रदान किया जाएं।

आपत्ति नोटिस

कार्यालय ग्राम पंचायत तिहारी
पंचायत समिति, श्रीनगर

क्रमांक: GP/2026-27/14 दिनांक: 01.09.2026

ग्राम पंचायत की वार्षिक बैठक दिनांक 20.08.2026 के प्रस्ताव संख्या 2 के तहत रामप्रसाद s/o शेषकरण द्वारा अपने स्वर्गीय पिता के नाम जारी पट्टे के नामांतरण हेतु आवेदन किया गया है।

उपरोक्त पट्टा संख्या 28, बुक संख्या 7, दिनांक 07.05.2018 को जारी किया गया है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 3 दिन में अपनी आपत्ति कार्यालय में प्रस्तुत करें।

इसके बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

हस्ताक्षर
प्रशासक सरपंच
ग्राम पंचायत तिहारी
पं. स. श्रीनगर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत तिहारी
पंचायत समिति, श्रीनगर

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929